Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 234 | गुरुवार, 03 सितम्बर-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

आउटसोर्स कर्मियों को बड़ी सौगात, नियोक्ता नहीं कर पाएंगे शोषण और अन्याय

उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम बनने से लाखों कार्मिकों को मिलेगी सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश के लगभग लगभग पांच लाख आउटसोर्स कार्मिकों को बड़ी सौगात दी है। उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम के गठन के बाद अब नियोक्ता द्वारा न आउटसोर्स कर्मियों का शोषण हो पाएगा और न ही उनके साथ अन्याय हो पाएगा। पहली बार सम्मानजनक मानदेय सुनिश्चित हुआ। इसके साथ ही इससे सामाजिक सुरक्षा मिलेगी। पांच साल में रिवीजन होगा। साथ ही नियुक्ति प्रक्रिया में नियोक्ता का मनमानापन भी नहीं चल पाएगा।भौगोलिक संदर्भ

एमओयू का किया गया हस्तांतरण

भारतीय स्टेट बैंक के साथ आउटसोर्स कर्मियों को मिलने वाले लाभ व सामाजिक सुरक्षा के लिए एसबीआई के साथ एमओयू का हस्तांतरण भी किया गया।राज्य और स्थानीय प्रशासन

मुख्यमंत्री ने आउटसोर्स कर्मियों को वितरित किये चेक

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में आउटसोर्स कर्मियों को चेक भी वितरित किये। इस दौरान लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई। सीएम के हाथों इन्हें मिला चेक- रोहित कुमार- फर्राश- सचिवालय प्रशासन विभाग, कसिन खान- रात्रि चौकीदार- सचिवालय प्रशासन विभाग, सरिता-सफाई कर्मी- सचिवालय प्रशासन विभाग, आशु कुमार- फर्राश- सचिवालय प्रशासन विभाग, अरविंद कुमार यादव- वाहन चालक- सचिवालय प्रशासन विभाग, रामकुमार- माली- सचिवालय प्रशासन विभाग, जितेंद्र प्रसाद- पंप ऑपरेटर नगर निगम लखनऊ, राजू कन्नौजिया- पंप ऑपरेटर नगर निगम लखनऊ, हंसराज सिंह- पंप ऑपरेटर नगर निगम लखनऊ, दिलीप कुमार- पंप ऑपरेटर नगर निगम लखनऊ, अंजनी कुमार- पंप ऑपरेटर नगर निगम लखनऊ, नरेंद्र तिवारी- पंप ऑपरेटर नगर निगम लखनऊ ।

मुख्यमंत्री ने लॉन्च किया यूपी कॉस पोर्टल

योगी आदित्यनाथ ने यूपी कॉस पोर्टल व वेबसाइट की लॉन्चिंग की। यूपी कॉस पोर्टल से आउटसोर्स निगमकर्मियों को बड़ी सुविधाएं भी मिलेंगी। इसके जरिए ऑनलाइन माध्यम से भर्ती व जॉइनिंग प्रक्रिया की जानकारी मिलेगी। समय पर मानदेय व सरकारी लाभ के साथ ही आउटसोर्स कर्मियों की पूरी जानकारी एक जगह मिलेगी। इससे उपस्थिति की सटीक जानकारी व छुट्टी का प्रबंधन भी सुनिश्चित होगा। यहां शिकायत और समाधान की भी सुविधा होगी। समय पर ईपीएफ अंशदान व ईएसआईसी का लाभ सुनिश्चित होगा। पोर्टल पर विभाग, एजेंसी और आउटसोर्सकर्मियों के लिए एक ही मंच होगा।

अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट को मिला पहला सीईओ, पूर्व एयर मार्शल जीतेंद्र मिश्रा संभालेंगे कमान

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

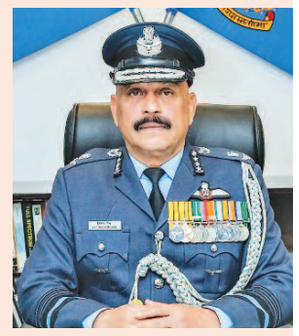

नई दिल्ली। एयर मार्शल जीतेंद्र मिश्रा को बुधवार (2 सितंबर) को अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का पहला मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया गया। एयर मार्शल जीतेंद्र मिश्रा, सर्वोत्तम युद्ध सेवा मेडल (एसवाईएसएम), अति विशिष्ट सेवा मेडल (एवीएसएम), विशिष्ट सेवा मेडल (वीएसएम), भारतीय वायु सेना के एक सेवानिवृत्त वायु अधिकारी हैं। उन्होंने पश्चिमी वायु कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के रूप में कार्य किया। 38 साल से ज्यादा के अपने सर्विस करियर में, एयर मार्शल ने कई अहम कमांड और स्टाफ पदों पर काम किया है। इनमें फाइटर स्क्वाड्रन के कमांडिंग ऑफि सर, एयरक्राफ़्ट एंड सिस्टम्स टेस्टिंग एस्टेब्लिशमेंट में चीफ टेस्ट पायलट, दो फ्रंटलाइन एयर बेस के एयर ऑफि सर कमांडिंग, डायरेक्टर (ऑपरेशनल प्लानिंग एंड असेसमेंट ग्रुप), एयर HQ (VB) में प्रिंसिपल डायरेक्टर और असिस्टेंट चीफ ऑफ एयर स्टाफ (प्रोजेक्ट्स), ASTE के कमांडेंट और इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ (डॉक्ट्रिन, ऑर्गनाइजेशन और ट्रेनिंग) के डिप्टी चीफ जैसे पद शामिल हैं। मौजूदा पद संभालने से पहले, वह इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ (ऑपरेशन्स) के डिप्टी चीफ थे। इस एयर ऑफि सर को 'अति विशिष्ट सेवा मेडल' और 'विशिष्ट सेवा मेडल' से सम्मानित किया गया है। इससे पहले दिन में, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने राम मंदिर के एडमिनिस्ट्रेटिव फेरबदल के तहत तीन नए ट्रस्टी नियुक्त किए। नए ट्रस्टियों में दिल्ली के महेश भागचंदका, अयोध्या के रहने वाले मदन मोहन पांडे और शिकोहाबाद की निर्मला यादव शामिल हैं। खबरों के मुताबिक, महेश भागचंदका विश्व हिंदू परिषद के दिवंगत नेता अशोक सिंघल के रिश्तेदार हैं। राम मंदिर ट्रस्ट की एक अहम बैठक में पांडे और यादव के साथ-साथ उनकी नियुक्ति पर भी चर्चा हुई थी।

राहुल गांधी को दलितों के लिए आवाज उठाने का हक, एफआईआर पर बोले सीएम डीके शिवकुमार

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बुधवार को राहुल गांधी का बचाव किया। राहुल गांधी पर मल्लिकार्जुन खड़गे की हल्द्वानी रैली के बाद कथित रशुद्धिकरणश पर की गई टिप्पणी के लिए एफआईआर दर्ज की गई थी। शिवकुमार ने कहा कि विपक्ष के नेता के तौर पर उन्हें दलितों के लिए आवाज उठाने का पूरा अधिकार है। पत्रकारों से बात करते हुए उट शिवकुमार ने कहा कि यह एक महान लोकतांत्रिक देश है... राहुल गांधी इस बात पर जोर दे रहे हैं कि जो गलत हुआ है, उसे एफआईआर के जरिए सुधारा जाना चाहिए। चूँकि वह देश के दलितों के लिए आवाज उठा रहे हैं और BJP उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर रही है... विपक्ष के नेता के तौर पर उन्हें बोलने और आवाज उठाने का पूरा अधिकार है, और समाज के सभी वर्गों के साथ खड़े होने का भी अधिकार है।

इस बीच, कांग्रेस ने राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर को लेकर बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में BJP

सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान KPCC अध्यक्ष बीके हरिप्रसाद ने कहा कि हम PM मोदी और अमित शाह के तानाशाही रवैये का विरोध कर रहे हैं। राहुल गांधी मांग कर रहे थे कि देश के सबसे वरिष्ठ राजनेताओं में से एक और ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का अपमान करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए। संविधान और मल्लिकार्जुन खड़गे का अपमान करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के बजाय, उन्होंने राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दी है।

यह बयान 30 अगस्त को हल्द्वानी की जवाहर नगर कॉलोनी के रहने वाले और वाल्मीकि समुदाय के सदस्य, 26 वर्षीय अमित कुमार की शिकायत पर एफआईआर दर्ज होने के बाद आया। कुमार 'श्री राम सेना धर्मार्थ सेवा न्यास' संगठन के पदाधिकारी भी हैं। पुलिस ने SC/ST (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 की धाराओं (जिनमें धारा 3(1)(r) और 3(1)(u) शामिल हैं) के साथ-साथ भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 196 के तहत मामला दर्ज किया है। एफआईआर में अधिकार क्षेत्र से संबंधित भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 199 का भी उल्लेख किया गया है। कुमार ने आरोप लगाया कि गांधी की टिप्पणियों से अनुसूचित जाति समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंची है। इससे पहले, राहुल गांधी ने खड़गे के दौरे के बाद उत्तराखंड में कथित तौर पर 'शुद्धिकरण' की रस्म निभाने वालों के खिलाफ SC/ST अधिनियम के तहत तुरंत एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी। गांधी ने आरोप लगाया था कि शुद्धिकरण की रस्म छुआछूत का ही दूसरा रूप है और उन्होंने SC/ST एक्ट के तहत इसमें शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी।

तेलंगाना में होगा भव्य डिफेंस एक्सपो! सीएम रेवंत रेड्डी ने राजनाथ सिंह को किया आमंत्रित

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को 'इन्वेस्ट तेलंगाना ग्लोबल समिट-2026' में शामिल होने और समिट के हिस्से के तौर पर तेलंगाना सरकार द्वारा आयोजित 'रक्षा एक्सपो-2026' का उद्घाटन करने का न्योता दिया है। यह कार्यक्रम 7 से 9 दिसंबर तक 'भारत फ्यूचर सिटी' में आयोजित किया जाएगा। नई दिल्ली में हुई एक बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री रेड्डी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ कई मुद्दों पर चर्चा की। रक्षा एक्सपो में एयरोस्पेस, रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्रों पर एक खास कॉन्फ्रेंस के साथ-साथ एयर शो, इंडस्ट्रियल एग्ज़िबिशन और जमीन पर आधारित रक्षा प्रणालियों का लाइव प्रदर्शन भी शामिल होगा। मुख्यमंत्री रेड्डी ने कहा कि रक्षा मंत्री की भागीदारी और मार्गदर्शन से देश भर के रक्षा उद्योगों, स्टार्टअप्स और युवा वैज्ञानिकों को काफी प्रेरणा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने रक्षा मंत्रालय से 'रक्षा एक्सपो-2026' को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार आयोजित करने में सहयोग का अनुरोध किया। उन्होंने एयर शो के लिए जरूरी एयरस्पेस मंजूरी और भारतीय वायु सेना के विमानों के साथ-साथ सूर्यकिरण और सारंग एरोबैटिक टीमों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सहयोग मांगा। साथ ही, विमानों के स्टैटिक डिस्प्ले (स्थिर प्रदर्शन) के लिए भी सहयोग का अनुरोध किया गया।

बिहार में शुरू हुआ 'आपके दरवाजे पर दवा' अभियान, 6 करोड़ लोगों की होगी हेल्थ स्क्रीनिंग

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 2 सितंबर को जांच और इलाज झ आपके दरवाजे पर दवा अभियान की शुरूआत की। इस अभियान का मकसद लगभग छह करोड़ लोगों की जांच करना और हर नागरिक का डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड बनाना है। यह अभियान 30 नवंबर तक चलेगा और इसका उद्घाटन पटना के राजवंशी नगर स्थित एनर्जी ऑडिटोरियम में किया गया। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, इस अभियान के तहत सभी 38 जिलों में जागरूकता रथ भेजे गए। मुख्यमंत्री चौधरी ने जिलाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे इस अभियान पर बारीकी से नजर रखें और इसे सफलतापूर्वक लागू करना सुनिश्चित करें। उन्होंने समय पर जांच के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि समय पर जांच से बीमारी का पता लगाना और बेहतर इलाज संभव हो पाता है; स्वस्थ परिवार ही समृद्ध बिहार की नींव हैं। CMO ने बताया कि ज़िला अस्पतालों में 45 तरह की सर्जरी शुरू हो गई हैं, जिससे ज़िला अस्पतालों से बड़े अस्पतालों में मरीजों को रेफर करने की संख्या में कमी आई है। सर्जरी की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई है; जून में यह संख्या 2,428 थी, जो इस महीने बढ़कर 8,000 से ज्यादा हो गई है। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने मिशन कायाकल्प शुरू करने की घोषणा की। यह प्रोग्राम राज्य भर में स्वास्थ्य संस्थानों को बेहतर और मजबूत बनाने के लिए बनाया गया है। इस अभियान का मकसद लोगों के घर के पास स्वास्थ्य जांच और इलाज की सुविधाएँ पहुँचाना और बिहार की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को मजबूत करना है। 1 सितंबर को चौधरी ने घोषणा की कि मोतिहारी में बंद पड़ी चीनी मिल को फिर से शुरू करने का काम जल्द ही शुरू होगा, साथ ही पूर्वी चंपारण ज़िले के लिए कई विकास परियोजनाएँ भी शुरू की जाएँगी। मोतिहारी में बापूधाम महोत्सव के दौरान, उन्होंने ज़िले के लिए 285 करोड़ रुपये की लागत वाली 145 विकास योजनाओं का शिलान्यास या उद्घाटन किया। CMO के अनुसार, योजनाओं में बरियारपुर में एक मेडिकल कॉलेज बनाना और मोतिहारी में एक तारामंडल (प्लेनेटेरियम) का काम शुरू करना शामिल है। इसके अलावा, लोगों की मांग को देखते हुए, पिपराकोठी के लिए पहले प्रस्तावित केंद्रीय विद्यालय को अब बरियारपुर में स्थापित किया जाएगा।

सीएम विजय का किसानों और शिक्षकों के लिए बड़ा एलान, डीएमके सरकार के समय दर्ज केस होंगे वापस

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

चेन्नई। मुख्यमंत्री जोसेफ विजय की सरकार ने आज बुधवार, 2 सितंबर को किसानों और शिक्षकों को लेकर बड़ा एलान किया है। तमिलगा वेत्री कड़गम सरकार ने पिछली सरकार के समय शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने वाले किसानों और शिक्षकों पर दर्ज केस वापस लेने की बात कही है।

मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने नियम 110 के तहत एलान करते हुए कहा कि मई 2021 और अप्रैल 2026 के बीच उन किसानों और शिक्षकों पर दर्ज केस वापस लिए जाएंगे, जिन्होंने आजीविका, अधिकारों और कल्याणकारी मुद्दों पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया

था। सीएम विजय के एलान के साथ ही विधानसभा में राजनीतिक घमासान मच गया। विपक्ष ने सरकार के इरादे पर सवाल उठाए और नई सरकार के आने के बाद विरोध प्रदर्शन करने वालों पर दर्ज केसों में भी ऐसी ही राहत की मांग की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और कानून के दायरे में विरोध करने के अधिकार की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

सहयोगी दलों और विपक्ष के कई सदस्यों ने इस कदम का स्वागत किया, लेकिन DMK व्हिप ई.वी. वेलु ने आरोप लगाया कि इस एलान के पीछे छिपा हुआ मकसद है। पूर्व मंत्री एम.आर.के. पनीरसेल्वम ने पूछा कि क्या सरकार फसल ऋण के लिए विरोध कर रहे किसानों पर पिछले 100 दिनों में दर्ज केस भी वापस लेगी। स्पीकर जे.सी.डी. प्रभाकर ने दखल देते हुए वेलु की आपत्ति को खारिज कर दिया और कहा कि मुख्यमंत्री ने विधानसभा के नियमों के दायरे में रहकर यह एलान किया है। लाभार्थियों में वे किसान शामिल हैं जिन पर तिरुवन्नामलाई में SIPCOT इंडस्ट्रियल एस्टेट प्रोजेक्ट का विरोध करने के लिए केस दर्ज किए गए थे। कुछ प्रदर्शनकारियों को गुंडा एक्ट के तहत हिरासत में भी लिया गया था। इन लोगों की लिस्ट में वे लोग भी शामिल हैं जिन्होंने प्रस्तावित परंदूर हवाई अड्डे के खिलाफ लंबे समय तक चले आंदोलन में हिस्सा लिया था। उन्हें खेती की जमीन, जल निकायों और आजीविका के नुकसान की चिंता थी।

विजय सरकार के एलान के बाद उन शिक्षकों को भी राहत मिलेगी, जिन पर अपनी मांगों और अधिकारों के लिए विरोध प्रदर्शन करते हुए केस दर्ज किए गए थे।

दिशा सालियान मौत मामले में सीबीआई जांच के आदेश के बाद आदित्य ठाकरे के साथ ही शिवसेना यूबीटी की भी मुश्किलें बढ़ना तय है

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। शिवसेना यूबीटी नेता आदित्य ठाकरे की मुश्किलें बढ़ सकती हैं, क्योंकि दिशा सालियान मौत मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने CBI को FIR दर्ज कर जांच अपने हाथ में लेने का आदेश दे दिया है। हालांकि, अदालत ने साफ किया है कि उसने आदित्य ठाकरे या किसी अन्य व्यक्ति के खिलाफ कोई प्रतिकूल टिप्पणी या निष्कर्ष नहीं दिया है। अब यह पूरी तरह CBI की जांच और जुटाए जाने वाले साक्ष्यों पर निर्भर करेगा कि किसी व्यक्ति के खिलाफ संदेह के पर्याप्त आधार बनते हैं या नहीं।

हम आपको बता दें कि अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर दिशा सालियान की रहस्यमय मौत के करीब छह साल बाद बॉम्बे हाईकोर्ट

ने मुंबई पुलिस की जांच पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए मामले की CBI जांच का आदेश दिया है।

न्यायमूर्ति सारंग कोतवाल और न्यायमूर्ति रंजीतसिंह राजा भोंसले की खंडपीठ ने मुंबई पुलिस को मामले से जुड़े सभी दस्तावेज और रिकॉर्ड तत्काल CBI को सौंपने का निर्देश दिया है। साथ ही जांच किसी अनुभवी और वरिष्ठ अधिकारी से कराने को कहा गया है। 44 पन्नों के फैसले में हाईकोर्ट ने मुंबई पुलिस की जांच में 'गंभीर विसंगतियों' का उल्लेख करते हुए कहा कि जांच 'जवाब देने से ज्यादा सवाल खड़े करती है।'

अदालत ने यह भी हैरानी जताई कि करीब छह वर्षों तक जांच चलती रही, लेकिन FIR तक दर्ज नहीं की गई। कोर्ट ने कहा कि पुलिस को संज्ञेय अपराध की जांच का पर्याप्त अवसर मिला, लेकिन उसने न तो FIR दर्ज की और न ही अपेक्षित तरीके से जांच आगे बढ़ाई।

हम आपको याद दिला दें कि दिशा सालियान 8 जून 2020 को मुंबई के मलाड इलाके में एक आवासीय इमारत से गिरने के बाद मृत पाई गई थीं। मुंबई पुलिस ने इसे पहले आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया और बाद में जांच के आधार पर आत्महत्या बताया। लेकिन दिशा के पिता सतीश सालियान ने पुलिस की जांच पर सवाल उठाते हुए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। उन्होंने अपनी बेटी के साथ सामूहिक दुष्कर्म और हत्या का आरोप लगाया तथा प्रभावशाली लोगों को बचाने के लिए राजनीतिक स्तर पर साजिश और पदार्दारी का आरोप भी लगाया।

संपादक की कलम से

ऐश्वर्य एवं वैराग्य का अद्भुत संगम है श्रीकृष्ण

ललित शर्मा
संपादक

भगवान श्रीकृष्ण भारत की माटी, भारत की आत्मा और भारत के जनजीवन की धड़कन हैं। वे केवल आराधना के देवता नहीं, बल्कि जीवन को देखने की एक दृष्टि, संघर्षों से जूझने की प्रेरणा और भविष्य की ओर बढ़ने की दिशा हैं। वे ऐश्वर्य एवं वैराग्य का अद्भुत एवं निराला संगम हैं। श्रीकृष्ण के बिना भारतीय जीवन–दर्शन की कल्पना अधूरी है। जीवन के लगभग प्रत्येक आयाम–परिवार, समाज, राजनीति, प्रशासन, अर्थव्यवस्था, युद्ध, शांति, प्रेम, मित्रता, कर्तव्य, त्याग, नेतृत्व और आध्यात्मिकता में श्रीकृष्ण के विचारों और आदर्शों की छाप दिखाई देती है। इसीलिए जन्माष्टमी केवल श्रीकृष्ण के जन्म का उत्सव नहीं, बल्कि उनके विचारों को जीवन में उतारने का अवसर है। श्रीकृष्ण भारतीय संस्कृति के ऐसे अद्भुत एवं विलक्षण महानायक हैं, जिनके व्यक्तित्व में विरोधाभास दिखाई देने वाले अनेक गुण एक साथ समाहित हो जाते हैं। वे द्वारका के शासक हैं, लेकिन उन्हें सामान्यतः 'राजा श्रीकृष्ण' नहीं कहा जाता। वे ब्रजनंदन हैं, नंदलाल हैं, कन्हैया हैं, माखनचोर हैं, गोपियों के चितचोर हैं और रासरचैया हैं। यही उनकी महानता है कि सत्ता के शिखर पर पहुंचकर भी वे जनमानस से कभी दूर नहीं हुए। उनका नेतृत्व राजमहलों तक सीमित नहीं था, वह गांवों की गलियों, ग्वाल–बालों, किसानों, पशुपालकों और सामान्य जन के हृदय तक पहुंचता था। श्रीकृष्ण का जीवन हमें सिखाता है कि श्रेष्ठ नेतृत्व केवल अधिकार प्राप्त करने का नाम नहीं, बल्कि जिम्मेदारी निभाने की कला है। उन्होंने सत्ता को कभी व्यक्तिगत सुख का साधन नहीं बनाया। समाज और राष्ट्र की व्यवस्था उनके लिए कर्तव्य थी और धर्म उनकी आत्मनिष्ठा। इसीलिए उन्होंने परिस्थितियों से पलायन नहीं किया। जहां प्रेम की आवश्यकता थी वहां प्रेम दिया, जहां मित्रता की आवश्यकता थी वहां मित्र बने, जहां संवाद जरूरी था वहां संवाद किया और जहां अधर्म का प्रतिकार आवश्यक हुआ वहां अत्यंत कठोर होकर सामने आए। यही संतुलन कुशल नेतृत्व की सबसे बड़ी पहचान है। आज प्रबंधन की दुनिया में निर्णय क्षमता, समय–प्रबंधन, संकट–प्रबंधन, नेतृत्व, संवाद–कौशल, मनोविज्ञान और रणनीति को सफलता की अनिवार्य शर्त माना जाता है। इन सभी क्षेत्रों में श्रीकृष्ण का जीवन असाधारण उदाहरण प्रस्तुत करता है। कुरुक्षेत्र में अर्जुन जब मोह और मानसिक द्वंद्व से घिरकर अपने कर्तव्य से विमुख होने लगे, तब श्रीकृष्ण ने उन्हें केवल युद्ध के लिए प्रेरित नहीं किया, बल्कि जीवन का विराट दर्शन दिया। उन्होंने अर्जुन को कर्म का मर्म समझाया–मनुष्य का अधिकार कर्म पर है, परिणाम पर नहीं। यह संदेश आज भी हर विद्यार्थी, कर्मचारी, उद्यमी, प्रशासक, राजनीतिज्ञ और सामान्य व्यक्ति के लिए उतना ही उपयोगी है। हमारी सबसे बड़ी कमजोरी अक्सर कर्म से अधिक परिणाम की चिंता होती है। परिणाम की चिंता मन को भय, तनाव और असमंजस से भर देती है। श्रीकृष्ण का कर्मयोग इस मानसिक बोझ से मुक्ति का मार्ग देता है। अपने कर्तव्य को पूरी निष्ठा, क्षमता और ईमानदारी से करना और परिणाम को व्यापक व्यवस्था पर छोड़ देना–यह जीवन–प्रबंधन का ऐसा सूत्र है जिसकी उपयोगिता कभी समाप्त नहीं हो सकती। श्रीकृष्ण की सबसे बड़ी विशेषताओं में से एक थी–स्थिर बुद्धि। शिशुपाल ने राजसूय यज्ञ की सभा में उन्हें लगातार अपमानित किया, फिर भी वे शांत रहे। दुर्योधन के दरबार में शांति–दूत बनकर गए और वहां भी उनका अपमान हुआ, लेकिन वे विचलित नहीं हुए। इससे हमें सीख मिलती है कि उत्तेजना में लिया गया निर्णय प्रायः समस्या बढ़ाता है, जबकि शांत मन समाधान का रास्ता खोलता है।

असली दौलत

उदय कशोर साह

कविता

जिसने भजन–सिमरन में मन लगाया,
उसने जीवन का धन सच्चा पाया,
मानव सेवा में सुख जिसने बाँटा,
उसने हर पल ईश्वर को मुस्कुराया।

बुजुर्गों के चरणों में शीश झुकाया,
उनकी दुआओं का खजाना पाया,
जिसने उनके दर्द को अपना समझा,
उसने जीवन का अर्थ समझ पाया।

न धन की चाह, न शोहरत का मेला,
सेवा से जिसने मन को सँवारा,
दुखियों के चेहरे पर हँसी जो लाई,
उसने प्रभु का दरबार निहारा।

दौलत वह नहीं जो तिजोरी में सोए,
दौलत वह है जो किसी के काम आए,
जिससे किसी की आँखों में खुशी आए,
और किसी का बुझता दीप जल जाए।

अंत समय न धन साथ जाएगा,
न नाम, न महल, न संसार जाएगा,
किशन, भजन, सेवा और बुजुर्गों की दुआएँ रहेंगी,
यही कमाई आत्मा के संग जाएगी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

बहुत गहरी हैं दलित विरोधी मानसिकता की जड़ें

निर्मल रानी
लेखिका

उत्तराखंड के हल्द्वानी रामलीला मैदान में गत 8 अगस्त को कांग्रेस पार्टी द्वारा 'विजय शंखनाद रैली' का आयोजन किया गया था। इस रैली को मुख्य रूप से कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने संबोधित किया था। इसके बाद 11 अगस्त को उसी मंच पर 'श्री राम सेना धर्मार्थ सेवा न्यास' नाम के संगठन से जुड़े कुछ लोगों ने मंच पर गंगाजल छिड़का, उसकी सफाई की और हवन,यज्ञ किया। इसे 'शुद्धिकरण' आयोजन का नाम दिया गया। इसके बाद कांग्रेस ने इसे दलित अपमान के रूप में मुद्दा बनाया। स्वयं मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा में इस मुद्दे को उठाते हुये भावुक होकर कहा कि ₹इस शुद्धिकरण ने मुझे छुआछूत के डंक का अहसास कराया है और मेरा गहरा अपमान किया है। मैं एक दलित समाज से आता हूँ, इसलिए भाजपा विचारधारा के लोगों ने यह कृत्य कियाः। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने भी इसे सीधे तौर पर दलित समाज का अपमान और संविधान विरोधी मानसिकता करार दिया। राहुल गांधी ने आरोपियों के खिलाफ रउ/रळ एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की। उत्तराखंड सहित देश के विभिन्न शहरों व जिलों में कांग्रेस कार्यकताओं ने इस घटना के विरोध में जमकर प्रदर्शन किए और सचिवालय कूच किया। युवा कांग्रेस के कार्यकताओं ने दिल्ली के झंडेवालान स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मुख्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान युवा कांग्रेस के कार्यकताओं ने 'मनुस्मृति' की प्रतियां और उसके अनेक पन्ने जलाये। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि यह लड़ाई दो विचारधाराओं के बीच है। एक विचारधारा बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के संविधान की है, जबकि दूसरी भाजपा और आरएसएस की है जो मनुस्मृति के आधार पर देश चलाना चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि खड़गे के भाषण के बाद मंच को अपवित्र मानकर गंगाजल से उसका शुद्धिकरण करना देश के करोड़ों दलितों, आदिवासियों,पिछड़ों व उनकी अस्मिता का अपमान है। नागपुर स्थित संघ के केंद्रीय मुख्यालय के बाहर भी मनुस्मृति जलाकर विरोध दर्ज कराया गया। गोया 'शुद्धिकरण' की इस घटना को लेकर उपजा राजनीतिक विवाद

इस समय देश के सबसे बड़े राजनैतिक मुद्दों में से एक बन गया है। देश में इसतरह के कई ऐसे 'हाई प्रोफाइल' मामले सार्वजनिक होते हैं जो संघ व भाजपा से जुड़े नेताओं की दलित विरोधी मानसिकता को उजागर करते रहते हैं। दलित कार्यकर्ता, लेखक और पत्रकार भंवर मेघवंशी को ही देख लीजिये। उन्होंने मात्र 13 वर्ष की आयु में 1987 में आरएसएस की शाखा में जाना शुरू किया था। मेघवंशी संगठन में भीलवाड़ा के जिला प्रमुख के पद तक पहुंचे और 1990 के राम जन्मभूमि आंदोलन में एक सक्रिय कारसेवक के रूप में भी भाग लिया। परन्तु ऐसे समर्पित स्वयंसेवक को जातिगत भेदभाव के कारण हमेशा के लिए संघ से नाता तोड़ना पड़ा। संघ छोड़ने के मुख्य कारणों को उन्होंने अपनी चर्चित आत्मकथा ₹मैं एक कारसेवक थाः में बयान किया है। उन्होंने लिखा है कि राम मंदिर आंदोलन के दौरान जब संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी उनके गृह जिले भीलवाड़ा (राजस्थान) आए, तो उन्होंने बड़े उत्साह से अपने घर पर भोजन तैयार करवाया। परन्तु संघ के वरिष्ठ 'सवर्ण 'नेताओं ने उनके घर आकर भोजन करने से यह कहते हुये साफ इनकार कर दिया कि वे समय की कमी के कारण भोजन पैक करवाकर साथ ले जा रहे हैं। बाद में संघ के उन्हीं 'सवर्ण' नेताओं ने उनके घर का बना वह भोजन खाया नहीं, बल्कि उसे एक नाली में फेंक दिया। इस घटना से उन्हें यह एहसास हुआ कि हिंदू राष्ट्र की बात करने वाले संगठन में आज भी छुआछूत और भेदभाव कायम है। उन्होंने अपना व्यक्तिगत अनुभव साँझा करते हुये लिखा कि आरएसएस के भीतर एक आंतरिक ब्राह्मणवादी पदानुक्रम काम करता है। दलित होने के कारण ही उन्हें संघ का 'प्रचारक' बनने का दर्जा भी नहीं दिया गया। उन्होंने यह भी महसूस किया कि संघ की शाखाओं और बौद्धिकों में अन्य धर्मों विशेषकर अल्पसंख्यकों के प्रति नफरत का भाव भरा जाता है। उन्हें लगने लगा कि संगठन समाज को जोड़ने के बजाय वैचारिक रूप से विभाजित कर रहा है, जो उनकी खुद की अंतरात्मा को स्वीकार नहीं था। उन्हें यह एहसास हुआ कि संघ में रहकर जिस 'हिंदू राष्ट्र' और समानता के दावे के लिए वे लड़ रहे थे, उसमें एक दलित के रूप में उनकी सामाजिक हैसियत को स्वीकार नहीं किया जा रहा था। इन अपमानजनक घटनाओं और भेदभाव को इस तरह भी समझा जा सकता है कि गाँवों और अर्ध-शहरी इलाकों में दलितों को उनकी सामाजिक स्थिति का एहसास कराने के लिए कई अमानवीय प्रथाओं और पाबंदियों का सामना करना पड़ता है। उदाहरणतः कई राज्यों में दलित दूल्हे द्वारा शादी में घोड़ी चढ़ने या सज-धज कर बारात निकालने पर सवर्णों द्वारा हमले या पत्थरबाजी की जाती है। दलित युवाओं द्वारा मूंछ रखने, महंगे जूते पहनने, अथवा सवर्णों के सामने पैर पर पैर रखकर बैठने पर मारपीट और जानलेवा हमलों की घटनाएं प्रकाश में आती रही हैं। अनेक सार्वजनिक कुओं, हैंडपंपों, तालाबों या मंदिरों में दलितों के प्रवेश को लेकर आज भी हिंसक टकराव होते हैं। शिक्षण संस्थानों तक में दलित छात्र जातिगत पूर्वाग्रहों और अपमान का शिकार होते हैं। कई सरकारी स्कूलों में दलित बच्चों को भोजन की कतार में अलग बैठाने, उनके द्वारा बनाए गए भोजन को सवर्ण बच्चों द्वारा न खाने, या उन्हें अलग बर्तनों में खाना देने की घटनाएं सामने आती रहती हैं। कई बार दलित छात्रों को पढ़ाई के बजाय स्कूल या कॉलेज के शौचालय और परिसर साफ करने के लिए मजबूर किया जाता है। आईआईटी,एम्स,और केंद्रीय विश्वविद्यालयों में प्रोफेसरों या सहपाठियों द्वारा योग्यता पर सवाल उठाने और जातिसूचक टिप्पणियों के कारण कई मेधावी दलित छात्रों को आत्महत्या तक के लिए मजबूर होना पड़ा है। दलित महिलाएं लैंगिक और जातिगत दोनों स्तरों पर दोहरे शोषण का शिकार होती हैं। हाथरस और खैरलांजी जैसी ऐतिहासिक और भयावह घटनाओं से लेकर रोजमर्रा की अनेक घटनाओं तक, दलित महिलाओं को डराने, दबाने और पूरे दलित समुदाय को 'सबक सिखाने' के लिए यौन हिंसा को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। आम मामलों की तुलना में दलित महिलाओं के साथ हुए यौन अपराधों में दोषियों को सजा मिलने की दर बेहद कम अर्थात करीब 2% से भी कम रहती है, क्योंकि स्थानीय स्तर पर पुलिस और व्यवस्था में रसूखदार लोगों का प्रभाव होता है। उचित मजदूरी मांगने या अपनी जमीन पर दावा ठोकने पर दलित बस्तियों पर हमले, आगजनी और उनके घरों को फूंकने की सामूहिक हिंसा तमिलनाडु व बिहार के कई ऐतिहासिक मामले में देखी गई है।

डिकल कॉलेजों से आगे: कैसे आईआईटी और आईआईएससी भारत में चिकित्सा शिक्षा को बदल रहे हैं

डॉ विजय गर्ग
लेखक

पीढ़ियों से भारत में चिकित्सा शिक्षा का संबंध मुख्य रूप से मेडिकल कॉलेजों, अस्पतालों और पारंपरिक एमबीबीएस पाठ्यक्रम से रहा है। डॉक्टरों को मुख्यतः शरीर रचना विज्ञान, शरीर क्रिया विज्ञान, औषधि विज्ञान और चिकित्सकीय अभ्यास का प्रशिक्षण दिया जाता रहा है। यह व्यवस्था आज भी अत्यंत महत्वपूर्ण है, लेकिन स्वास्थ्य सेवाओं का भविष्य तेजी से बहुविषयक होता जा रहा है। आज चिकित्सा जगत को केवल डॉक्टर ही नहीं आकार दे रहे हैं। इंजीनियर, कंप्यूटर वैज्ञानिक, जीवविज्ञानी, डेटा विशेषज्ञ और शोधकर्ता भी मानवता की सबसे कठिन स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का समाधान खोजने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। यहीं भारत के प्रमुख संस्थान, विशेष रूप से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान और भारतीय विज्ञान संस्थान, चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य नवाचार के क्षेत्र में एक नया परिवर्तन लाने लगे हैं।

जब चिकित्सा मिलती है तकनीक से

आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएँ आज तकनीक पर काफी हद तक निर्भर हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता चिकित्सा छवियों के विश्लेषण में सहायता कर सकती है, उन्नत सेंसर रोगियों की स्वास्थ्य स्थिति की निगरानी कर सकते हैं, रोबोट सर्जनों की सहायता कर सकते हैं और बायोमेडिकल उपकरण रोगों के निदान तथा उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। ऐसी तकनीकों के विकास के लिए पारंपरिक चिकित्सा शिक्षा से आगे की विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है। आईआईटी और आईआईएससी इंजीनियरिंग, कंप्यूटर विज्ञान, जीवविज्ञान, भौतिक विज्ञान तथा अन्य विषयों के छात्रों और शोधकताओं को एक साथ लाते हैं। स्वास्थ्य संबंधी अनुसंधान में उनकी बढ़ती भागीदारी ऐसा वातावरण तैयार कर रही है, जहाँ चिकित्सा और तकनीक मिलकर नई संभावनाएँ पैदा कर सकें। इसका परिणाम पेशेवरों की एक ऐसी नई पीढ़ी के रूप में सामने आ रहा है, जो आवश्यक नहीं कि डॉक्टर बने, लेकिन फिर भी स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे सके।

बायोमेडिकल इंजीनियरिंगः नई संभावनाओं का सेतु

बायोमेडिकल इंजीनियरिंग चिकित्सा और तकनीक के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु के रूप में उभर रही है। शोधकर्ता सस्ते निदान उपकरणों, कृत्रिम अंगों, चिकित्सा सेंसरों, इमेजिंग तकनीकों और अन्य स्वास्थ्य उपकरणों

पर कार्य कर रहे हैं। भारत के सामने स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी कई विशिष्ट चुनौतियाँ हैं। विशाल जनसंख्या, चिकित्सा सुविधाओं तक असमान पहुँच और किफायती उपचार की आवश्यकता इनमें प्रमुख हैं। इंजीनियरों और वैज्ञानिकों द्वारा विकसित नवाचार ऐसे समाधान प्रदान कर सकते हैं जो कम लागत वाले और अधिक लोगों तक पहुँचने योग्य हों। बहुविषयक वातावरण में प्रशिक्षित छात्र तकनीकी संभावनाओं के साथ-साथ वास्तविक स्वास्थ्य आवश्यकताओं को भी बेहतर ढंग से समझ सकते हैं। इसलिए डॉक्टरों, अस्पतालों, इंजीनियरों और वैज्ञानिकों के बीच सहयोग लगातार अधिक महत्वपूर्ण होता जा रहा है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और स्वास्थ्य सेवाओं का भविष्य

कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक अन्य ऐसा क्षेत्र है, जहाँ आईआईटी और आईआईएससी महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। एआई का उपयोग चिकित्सा छवियों के विश्लेषण, बड़े स्वास्थ्य डेटा के अध्ययन, रोगों की शुरूआती पहचान और स्वास्थ्य पेशेवरों की सहायता के लिए किया जा रहा है। हालाँकि, केवल तकनीक चिकित्सा विशेषज्ञता और मानवीय निर्णय का स्थान नहीं ले सकती। भविष्य डॉक्टरों और तकनीकी विशेषज्ञों के सहयोग में निहित है। चिकित्सा विशेषज्ञ रोगियों और बीमारियों को समझते हैं, जबकि इंजीनियर और कंप्यूटर वैज्ञानिक ऐसे उपकरण विकसित कर सकते हैं जो निदान, उपचार और स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी और सुलभ बना सकें। यह सहयोग धीरे-धीरे भविष्य के स्वास्थ्य पेशेवरों के प्रशिक्षण के तरीके को भी बदल सकता है।

पारंपरिक कक्षा से आगे बढ़ता अनुसंधान

आईआईटी और आईआईएससी जैसे संस्थानों का एक महत्वपूर्ण योगदान अनुसंधान पर उनका विशेष जोर है। यहाँ छात्र विभिन्न विषयों के बीच कार्य कर सकते हैं और उन समस्याओं पर शोध कर सकते हैं जो किसी एक विषय की सीमाओं में नहीं समातीं। स्वास्थ्य से जुड़ी किसी समस्या के समाधान के लिए जीवविज्ञान, इंजीनियरिंग, गणित, कंप्यूटिंग और चिकित्सकीय विज्ञान–सभी की आवश्यकता हो सकती है। इसलिए विभिन्न शैक्षणिक विषयों के बीच पारंपरिक सीमाएँ अब धीरे-धीरे कम महत्वपूर्ण होती जा रही हैं। यह दृष्टिकोण छात्रों को केवल किसी एक क्षेत्र का विशेषज्ञ बनाने के बजाय व्यापक समस्याओं का समाधान खोजने वाला सक्षम व्यक्ति बनने के लिए प्रेरित करता है।

किफायती स्वास्थ्य सेवाओं के लिए नवाचार

भारत को ऐसे स्वास्थ्य समाधान चाहिए जो केवल उन्नत ही नहीं, बल्कि आम लोगों की पहुँच में भी हों। आयातित चिकित्सा उपकरण अक्सर महंगे होते हैं, जिससे छोटे अस्पतालों और ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों के लिए आधुनिक तकनीक तक पहुँचना कठिन हो जाता है। भारतीय शोधकर्ता और नवप्रवर्तक अब कम लागत वाले और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप स्वास्थ्य उपकरणों और तकनीकों पर अधिक ध्यान दे रहे हैं। पोर्टेबल निदान उपकरणों से लेकर डिजिटल स्वास्थ्य प्रणालियों तक, नवाचार में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक लोगों तक पहुँचाने की बड़ी क्षमता है। आईआईटी और आईआईएससी वैज्ञानिक अनुसंधान को वास्तविक जीवन की स्वास्थ्य चुनौतियों से जोड़कर इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

चिकित्सा शिक्षा का नया अर्थ

तकनीक की बढ़ती भूमिका मेडिकल कॉलेजों या डॉक्टरों के महत्व को कम नहीं करती। इसके विपरीत, यह चिकित्सा शिक्षा के अर्थ और दायरे का विस्तार करती है। भविष्य का स्वास्थ्य पेशेवर एक ऐसी टीम का हिस्सा हो सकता है जिसमें डॉक्टर, इंजीनियर, डेटा वैज्ञानिक, जीवविज्ञानी और शोधकर्ता शामिल हों। प्रत्येक व्यक्ति अपनी अलग विशेषज्ञता लेकर आएगा, लेकिन सभी का लक्ष्य एक ही होगा–मानव स्वास्थ्य को बेहतर बनाना। इसलिए चिकित्सा शिक्षा को विभिन्न विषयों के बीच अधिक सहयोग को प्रोत्साहित करना होगा। भविष्य के डॉक्टरों को तकनीक की बेहतर समझ की आवश्यकता हो सकती है, जबकि स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्य करने वाले इंजीनियरों को जीवविज्ञान, चिकित्सा विज्ञान और चिकित्सा नैतिकता की गहरी समझ विकसित करनी होगी।

आगे की राह

भारत के पास स्वास्थ्य नवाचार के क्षेत्र में एक प्रमुख वैश्विक केंद्र बनने का महत्वपूर्ण अवसर है। देश की विशाल जनसंख्या अनेक प्रकार की स्वास्थ्य चुनौतियाँ प्रस्तुत करती है, वहीं भारत की बढ़ती वैज्ञानिक और तकनीकी क्षमता उन चुनौतियों के समाधान के लिए नए साधन उपलब्ध कराती है।

प्रतिभा हार रही है, विवेक झुक रहा है और मूर्खता ताज पहन रही है: आखिर यह कैसा भारत है?

एनके शर्मा
लेखक

भारत आज जिस मोड़ पर खड़ा है, वहाँ संकट केवल राजनीति का नहीं, बल्कि उस राजनीतिक संस्कृति का है जिसमें योग्यता संदेह के घेरे में है, विवेक सत्ता के सामने नतमस्तक है और शोर को विचार का पर्याय बना दिया गया है। जिस गणराज्य की आधारशिला संविधान ने समानता, स्वतंत्रता, न्याय और गरिमा पर रखी थी, वहाँ यदि नागरिक की योग्यता से पहले उसकी पहचान, विचार से पहले उसका राजनीतिक ठिकाना और क्षमता से पहले उसका चुनावी महत्व देखा जाने लगे, तो यह केवल प्रशासनिक विकृति नहीं–लोकतंत्र की आत्मा पर लगा गंभीर प्रश्नचिह्न है।

भारत की सबसे भयावह विडंबना यह है कि यहाँ प्रतिभा समाप्त नहीं हुई, बल्कि प्रतिभा का मूल्यांकन करने वाली दृष्टि क्षीण हुई है। देश की प्रयोगशालाओं, विश्वविद्यालयों, न्यायालयों, सेनाओं, खेतों, कारखानों और उद्यमों में असाधारण प्रतिभाएँ आज भी मौजूद हैं। युवा कठिन परिश्रम करते हैं, परीक्षाएँ देते हैं, शोध करते हैं, नवाचार करते हैं और अपने भविष्य को गढ़ने के लिए वर्षों खपा देते हैं। किंतु जब उन्हें यह अनुभव होने लगे कि अवसर केवल योग्यता से नहीं, बल्कि राजनीतिक समीकरण, सामाजिक पहचान, प्रभाव, सिफारिश अथवा सत्ता की निकटता से निर्धारित होते हैं, तब पराजित केवल एक प्रतिभाशाली व्यक्ति नहीं होता–पराजित होता है राष्ट्र का विश्वास। संविधान का अनुच्छेद 14 समानता के समक्ष कानून की बात करता है और अनुच्छेद 16 सार्वजनिक रोजगार में समान अवसर की आधारभूमि तैयार करता है। साथ ही संविधान ऐतिहासिक और सामाजिक वंचना को दूर करने के लिए विशेष प्रावधानों की अनुमति देता है। इसलिए सामाजिक न्याय और योग्यता को एक-दूसरे का शत्रु बनाना बौद्धिक बेईमानी है। वास्तविक प्रश्न यह है कि क्या सामाजिक न्याय का उद्देश्य वंचितों को अवसर देना है या राजनीतिक वर्गों को स्थायी वोट-बैंक उपलब्ध कराना? यहीं भारतीय राजनीति का कुरूप चेहरा सामने आता

है। सामाजिक विषमता वास्तविक है, ऐतिहासिक है और उसका उपचार भी आवश्यक है। लेकिन जब वंचना का समाधान करने के बजाय वंचितों की पहचान को चुनावी संपत्ति बना दिया जाए, जब पीढ़ियों तक समस्याओं को जीवित रखकर उनसे राजनीतिक लाभ लिया जाए, जब जाति और समुदाय नागरिकता से बड़ी पहचान बन जाएँ, तब सामाजिक न्याय अपने मूल उद्देश्य से भटककर सत्ता-साधन में बदलने लगता है। तब राजनीति घाव भरती नहीं, घावों को कुरेदकर अपनी दुकान चलाती है। सबसे खतरनाक बात यह है कि इस प्रक्रिया में समाज को नागरिकों का समुदाय नहीं, बल्कि वोट-बैंकों का भूगोल समझा जाने लगता है। जाति का नाम लो–वोट मिलेगा। धर्म का नाम लो–ध्रुवीकरण होगा। क्षेत्र का नाम लो–भावना भड़केगी। किसी समूह को भय दिखाओ–समर्थन मिलेगा। किसी दूसरे समूह को विशेष आश्वासन दो–राजनीतिक लाभ मिलेगा। इस पूरे खेल में गायब हो जाता है वह नागरिक, जो रोजगार चाहता है, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा चाहता है, सुरक्षित जीवन चाहता है, न्याय चाहता है और अपने बच्चों के लिए अवसर चाहता है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि जनता को सशक्त करने के नाम पर कभी-कभी उसकी कमजोरियों का ही राजनीतिक दोहन होने लगता है।

राजनीतिक व्यवस्था का यह चरित्र तब और भयावह हो जाता है जब संस्थाएँ व्यक्ति और दल के प्रभाव से मुक्त रहने के बजाय सत्ता के इशारों को पढ़ने लगें। संसद यदि गंभीर नीति-विमर्श के बजाय राजनीतिक प्रदर्शन का मंच बन जाए, प्रशासन यदि नियम से अधिक निर्देश की भाषा समझने लगे, विश्वविद्यालय यदि स्वतंत्र चिंतन के बजाय वैचारिक खेमेबंदी के अखाड़े बन जाएँ और मीडिया यदि सत्ता से प्रश्न करने के बजाय सत्ता के आख्यानों का प्रसारक बन जाए, तो लोकतंत्र का ढाँचा भले खड़ा रहे, उसकी आत्मा भीतर से खोखली होने लगती है। यही वह बिंदु है जहाँ विवेक झुकता है। विवेक प्रश्न करता है; चाटुकार केवल प्रशंसा करता है। विवेक प्रमाण माँगता है; भीड़ नारा माँगती है। विवेक निर्णय के परिणाम देखता है; राजनीति अगले चुनाव का परिणाम देखती है। विवेक कहता है–सत्य असुविधाजनक हो तो भी स्वीकार करो। सत्ता-केंद्रित मानसिकता कहती है–सत्य वही है जिससे राजनीतिक लाभ हो। और जब समाज में यह मानसिकता सामान्य हो जाए, तब मूर्खता को सत्ता मिलने में अधिक समय नहीं लगता। मूर्खता का अर्थ केवल अज्ञान नहीं है। सबसे खतरनाक मूर्खता वह है जिसमें व्यक्ति जानता है कि वह गलत है, फिर भी केवल इसलिए गलत को सही सिद्ध करता है क्योंकि उसका राजनीतिक स्वार्थ उससे जुड़ा है। ऐसी मूर्खता जब संगठित होकर सत्ता के गलियारों में प्रवेश करती है तो वह व्यक्तिगत कमजोरी नहीं रहती–वह संस्थागत संकट बन जाती है। आज भारत को इसी संकट से सावधान होने की आवश्यकता है। यह किसी एक दल, नेता या विचारधारा पर आरोप लगाने का विषय नहीं। सत्ता बदलती रहती है, लेकिन सत्ता की प्रवृत्तियाँ यदि नहीं बदलतीं तो समस्या व्यक्ति नहीं, व्यवस्था बन जाती है। विपक्ष भी जब सत्ता में आता है और वही हथकंडे अपनाता है जिनकी आलोचना वह सत्ता में रहते हुए करता था, तब स्पष्ट हो जाता है कि बीमारी कुर्सी में नहीं, राजनीतिक संस्कार में है। इसीलिए भारत को केवल सरकार बदलने की नहीं, राजनीतिक संस्कृति बदलने की आवश्यकता है। हमें ऐसी व्यवस्था चाहिए जहाँ आरक्षण सामाजिक न्याय का साधन हो, राजनीतिक स्थायित्व का हथियार नहीं; जहाँ मेरिट का अर्थ विशेषाधिकार नहीं, बल्कि क्षमता और परिश्रम का सम्मान हो; जहाँ आर्थिक और शैक्षिक अवसरों का विस्तार हो; जहाँ वंचित को न्याय मिले, लेकिन प्रतिभाशाली को अपराधबोध न दिया जाए कि वह प्रतिभाशाली क्यों है। समानता का अर्थ यह नहीं कि सभी को एक जैसा परिणाम मिले।

आउटसोर्स कर्मचारियों के हित में योगी सरकार की बड़ी पहल, सेवा निगम का शुभारंभ

सिद्धार्थनगर में लाइव प्रसारण के दौरान कर्मचारियों को बेहतर सुविधा, सुरक्षा और कैशलेस चिकित्सा सुविधा मिलने की उम्मीद

वेलकम इंडिया संवाददाता

सिद्धार्थनगर। आउटसोर्स कर्मचारियों को बेहतर सुविधाएं, सामाजिक सुरक्षा और पारदर्शी व्यवस्था उपलब्ध कराने की दिशा में उत्तर प्रदेश सरकार ने महत्वपूर्ण पहल की है। बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ स्थित लोकभवन से उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर निगम के पोर्टल एवं वेबसाइट की लॉन्चिंग तथा लोगो का अनावरण भी किया गया। कार्यक्रम का लाइव प्रसारण सिद्धार्थनगर स्थित लोहिया कला भवन में किया गया, जिसे जिले के अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और कर्मचारियों ने देखा। कार्यक्रम में कपिलवस्तु विधायक श्यामधनी राही, भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन और मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। इस अवसर पर विधायक श्यामधनी राही ने उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम के शुभारंभ पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताया। उन्होंने कहा कि निगम के गठन से आउटसोर्स कर्मचारियों को बेहतर सुविधाएं और कार्यस्थल पर अधिक सुरक्षा मिलने की उम्मीद है। उन्होंने इसे कर्मचारियों के हित में सरकार की महत्वपूर्ण पहल बताया। भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य ने कहा कि आउटसोर्स कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए सेवा निगम की स्थापना एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे कर्मचारियों को एक बेहतर व्यवस्था उपलब्ध होने के साथ ही उनकी समस्याओं के समाधान का रास्ता भी मजबूत होगा। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने कहा कि उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम के गठन से आउटसोर्स कर्मचारियों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के समाधान में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में भी यह पहल उपयोगी साबित हो सकती है। उन्होंने कर्मचारियों के हित में शासन की योजनाओं का प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन सुनिश्चित करने पर जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान नगर पालिका के कर्मचारियों को टूल किट वितरित की गई। इसके साथ ही श्रम विभाग की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। अधिकारियों ने कहा कि सरकार की योजनाओं का उद्देश्य पात्र लाभार्थियों तक सुविधाओं का लाभ पहुंचाना और श्रमिकों एवं कर्मचारियों को सामाजिक एवं आर्थिक रूप से मजबूत करना है। लाइव प्रसारण के दौरान मुख्यमंत्री के संबोधन और सेवा निगम के शुभारंभ की जानकारी से कर्मचारियों में भी उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने कहा कि नई व्यवस्था से आउटसोर्स कर्मचारियों को मिलने वाली सुविधाओं में सुधार होने के साथ उनकी समस्याओं के निस्तारण की प्रक्रिया भी अधिक व्यवस्थित होने की उम्मीद है। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष गोविंद माधव, सांसद प्रतिनिधि एसपी अग्रवाल, नगर पंचायत बिस्कोहर अध्यक्ष अजय गुप्ता, एसडीएम गौरव श्रीवास्तव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने के मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार, अवैध तमंचा बरामद

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। थाना सिम्भावली पुलिस ने अपराध की रोकथाम एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने के मामले में नामजद एवं वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से अवैध असलहा भी बरामद किया है।थाना सिम्भावली पुलिस ने मुकदमा संख्या 210/26, धारा 238, 140(3), 137(2) बीएनएस में वांछित चल रहे आरोपी विपिन उर्फ कालू पुत्र राजवीर सिंह निवासी ग्राम शरीफपुर, थाना सिम्भावली, जनपद हापुड़ को गिरफ्तार किया।पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से एक अवैध तमंचा मय एक जिंदा कारतूस .315 बोर बरामद हुआ है। आरोपी के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थाना सिम्भावली के उपनिरीक्षक अंकुर कुमार एवं हेड कांस्टेबल 432 हरेंद्र सिंह शामिल रहे। थाना सिम्भावली कोतवाली प्रभारी अरविंद चौधरी के नेतृत्व में पुलिस द्वारा वांछित एवं अपराध में संलिप्त आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी है।

2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट जाएं कांग्रेसी कार्यकर्ता: संजीव आर्या

हापुड़ पहुंचे कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव एवं यूपी सह प्रभारी, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार स्वागत

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव एवं उत्तर प्रदेश कांग्रेस के सह प्रभारी संजीव आर्या बुधवार को हापुड़ पहुंचे। निजामपुर बाईपास पर कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाएं पहनाकर उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश त्यागी ने संजीव आर्या को डॉ. भीमराव आंबेडकर की तस्वीर भेंट की।इसके बाद संजीव आर्या हितकारी फार्म हाउस में आयोजित बैठक में पहुंचे, जहां सैकड़ों कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। बैठक को संबोधित करते हुए संजीव आर्या ने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों के लिए सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता अभी से कमर कस लें। उन्होंने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार में जनता अपने आपको ठगा हुआ महसूस कर रही है। ऐसे में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को उठाने और संगठन को मजबूत करने की दिशा में कार्य करना चाहिए।कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश त्यागी ने कहा कि केंद्र में सरकार बनाने का रास्ता उत्तर प्रदेश से होकर गुजरता है। यदि केंद्र में कांग्रेस की प्रचंड बहुमत की सरकार बनानी है तो 2027 के विधानसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में कांग्रेस और इंडिया गठबंधन की मजबूत सरकार बनाना जरूरी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन जिला प्रवक्ता एडवोकेट शहजादा चौधरी एवं नरेश भाटी ने किया। इस अवसर पर, पूर्व अमरोहा लोकसभा प्रत्याशी सचिन चौधरी, सम्भल जिलाध्यक्ष मोहम्मद आरिफ, पूर्व धौलाना विधानसभा प्रत्याशी पंडित अरविंद शर्मा, पूर्व पीसीसी नवरत्न त्यागी, पूर्व जिलाध्यक्ष सैय्यद अयाजुद्दीन, पूर्व जिलाध्यक्ष मिथुन त्यागी, पूर्व शहर अध्यक्ष दिनेश चंद शर्मा, एमएलसी प्रत्याशी विक्रांत वशिष्ठ, डॉ. शोएब, डॉ. वीसी शर्मा, मनीष त्यागी, चौधरी मुरसलीन, दीपक मोघे, गौरव गर्ग, लाल बहादुर, मोहम्मद नफीस, जितेंद्र नागर, बिजेंद्र त्यागी, कुसुम लता, पदम सिंह साहनी, डालचंद सिंह, डालचंद शर्मा, शादाब सैफी, आकाश त्यागी, अफजाल आढ़ती, सुशील शर्मा, हर्ष कुमार सिरोही, अमित अग्रवाल, हसन आतिफ, खालिद खान, सुबोध शास्त्री, सुशील शास्त्री, मजहर खान, पवनजीत सिंह, दानिश चौधरी, तहमीना, तबसीर, मोहित शर्मा, सुखपाल गौतम, गोपाल भारती, महबूब अली, अनूप कर्दम, अमित कुमार, विजय कुमार सहित सैकड़ों कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डॉ. भास्कर शर्मा को मिला भारत गौरव पुरस्कार-2026

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

इटवा/सिद्धार्थनगर। होम्योपैथी चिकित्सा के क्षेत्र में योगदान के लिए जिले के चिकित्सक डॉ. भास्कर शर्मा को भारत गौरव पुरस्कार-2026 से सम्मानित किया गया। केटीके आउटस्टैंडिंग अचीवमेंट एंड एजुकेशन फाउंडेशन, दिल्ली के तत्वावधान में 30 अगस्त को आयोजित वर्चुअल अवार्ड सेरेमनी में मेजर यशपाल सिंह ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। डॉ. शर्मा को यह सम्मान चिकित्सा सेवा और होम्योपैथी के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए मिला है। उन्होंने 'होम्योपैथिक एनसाइक्लोपीडिया मटेरिया मेडिका' पुस्तक भी लिखी है। उनके अनुसार यह होम्योपैथी पर विश्व की सबसे बड़ी पुस्तकों में शामिल है। डॉ. भास्कर शर्मा को इससे पहले भी देश-विदेश में कई सम्मान मिल चुके हैं। इनमें अमेरिका, डॉ. सैमुअल हैनीमैन इंटरनेशनल अवॉर्ड लंदन, वरिष्ठ होम्योपैथिक इंटरनेशनल अवॉर्ड सिंगापुर, डॉ. एलेन इंटरनेशनल अवॉर्ड थाईलैंड, डॉ. कैंट इंटरनेशनल अवॉर्ड मलेशिया, ग्लोबल आइकॉन पर्सनालिटी ऑफ होम्योपैथी दुबई, होम्योपैथी शिरोमणि इंटरनेशनल अवॉर्ड मस्कट, ग्लोबल एनवायरमेंटल अवार्ड फिलीपींस और साहित्य रत्न अवॉर्ड कनाडा सहित अन्य सम्मान शामिल हैं। भारत गौरव पुरस्कार मिलने पर डॉ. डीके मौर्य, डॉ. चंद्रशेखर वर्मा, डॉ. वीरेंद्र त्रिपाठी और डॉ. मनोज शर्मा समेत अन्य लोगों ने उन्हें बधाई दी।

6 हजार मासिक मानदेय में घर चलाना मुश्किल, पंचायत सहायकों का वेतन बढ़ाने की हुई मांग

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़/गढ़मुक्तेश्वर। उत्तर प्रदेश की ग्राम पंचायतों में कार्यरत पंचायत सहायकों को वर्तमान में ₹6 हजार प्रतिमाह मानदेय मिलने के कारण आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पंचायत सहायकों का कहना है कि लगातार बढ़ती महंगाई के दौर में इतने कम मानदेय में परिवार का खर्च चलाना मुश्किल हो रहा है।गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा क्षेत्र में पंचायत सहायकों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनने के बाद आशुतोष शर्मा ने उनकी वेतन बढ़ोतरी की मांग को आगे बढ़ाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि पंचायत सहायक ग्राम पंचायत स्तर पर विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यों में अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें बेहद कम मानदेय दिया जा रहा है।आशुतोष शर्मा ने कहा कि मौजूदा समय में महंगाई लगातार बढ़ रही है। ऐसे में ₹6 हजार मासिक मानदेय पंचायत सहायकों के लिए पर्याप्त नहीं है। सरकार और पंचायती राज विभाग को इस मामले को गंभीरता से लेते हुए पंचायत सहायकों के मानदेय में सम्मानजनक बढ़ोतरी करनी चाहिए। उन्होंने पंचायत सहायकों का मानदेय कम से कम ₹15 हजार प्रतिमाह किए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि पंचायत सहायक लंबे समय से विभिन्न माध्यमों से अपनी मांग सरकार तक पहुंचा रहे हैं। वह भी पंचायत सहायकों के साथ हैं और उनकी मांग को मजबूती से उठाया जाएगा। जल्द ही हापुड़ जनपद के पंचायत सहायकों के साथ बैठक आयोजित कर उनकी समस्याओं और मांगों पर चर्चा की जाएगी। इसके बाद संबंधित अधिकारियों से मुलाकात कर पंचायत सहायकों के मानदेय में बढ़ोतरी की मांग रखी जाएगी।

सोशल मीडिया पर वायरल ऑडियो में अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने वाला युवक गिरफ्तार

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़/गढ़मुक्तेश्वर। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे ऑडियो में फोन कॉल के दौरान अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने के मामले में गढ़मुक्तेश्वर कोतवाली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है।कोतवाली प्रभारी देवेंद्र बिष्ट के नेतृत्व में पुलिस ने वायरल ऑडियो का संज्ञान लेते हुए कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आपत्तिजनक टिप्पणी/पोस्ट करने वालों के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस टीम ने फोन कॉल पर अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने वाले युवक को तहसील रोड से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान सुन्दर पुत्र सोमपाल सिंह निवासी ग्राम दरियापुर खादर, थाना गजरौला, जनपद अमरोहा के रूप में हुई है। पुलिस द्वारा अभियुक्त के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।कोतवाली प्रभारी देवेंद्र बिष्ट ने बताया कि सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक एवं अमर्यादित सामग्री प्रसारित करने वालों के विरुद्ध पुलिस की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

एलआईसी के 70वें स्थापना दिवस पर रेलवे पार्क में चलाया बीमा जागरूकता अभियान

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। भारतीय जीवन बीमा निगम के 70वें स्थापना दिवस के अवसर पर एलआईसी शाखा हापुड़ द्वारा रेलवे पार्क में बीमा जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान मुख्य प्रबंधक मोहन चंद ने उपस्थित लोगों को जीवन बीमा के महत्व और इसके लाभों के प्रति जागरूक किया।इस अवसर पर लोगों को MY LIC App डाउनलोड करने के लिए भी प्रेरित किया गया तथा भारतीय जीवन बीमा निगम की विभिन्न उपलब्धियों एवं सेवाओं की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने लोगों से बीमा को अपने और अपने परिवार के सुरक्षित भविष्य के लिए महत्वपूर्ण वित्तीय साधन के रूप में अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में मैनेजर एडमिन अनिल कुमार, शाखा प्रबंधक सतेंद्र सिंह, शाखा प्रबंधक (एजेंसी) गौरव बाबू बघेल, प्रशासनिक अधिकारी प्रमोद शर्मा, विकास अधिकारी राकेश कुमार, गौरव सिंह, सुलह सिंह, अशोक यादव, CLIA देवेंद्र शर्मा, पीतम सिंह, देवेंद्र अधाना, जयश्री त्यागी, सुखवीर त्यागी, प्रदीप शर्मा, कासिम, धर्मेंद्र सहित एलआईसी के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

भीषण सड़क हादसे में दो की मौत, दो गंभीर रूप से घायल

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। जिले में बुधवार दोपहर करीब तीन बजे सदर थाना क्षेत्र के मधुबेनिया चौराहे के पास दो बाइकों की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में एक भारतीय और नेपाल राष्ट्र के निवासी समेत दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोगों ने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। घायलों में एक महिला का इलाज जिले के मेडिकल कॉलेज में चल रहा है, जबकि गंभीर हालत को देखते हुए दूसरी महिला को गोरखपुर रेफर कर दिया गया है। सूचना पर सिद्धार्थनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी जुटाई। हादसे में मृत दोनों व्यक्तियों की पहचान और दुर्घटना के कारणों की पुलिस जांच कर रही है।

मिट्टी के हुनर से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़े शनी देवल, आठ लोगों को दिया रोजगार

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना ने नौगढ़ विकासखंड के धेन्सानानकार गांव निवासी शनी देवल प्रजापति के पारंपरिक हुनर को आधुनिक तकनीक से जोड़कर रोजगार का नया अवसर दिया है। मिट्टी के बर्तन और अन्य माटीकला उत्पाद बनाने वाले शनी देवल पहले सीमित संसाधनों के कारण पारंपरिक तरीके से काम करते थे। इससे उनकी मासिक आय करीब 15 से 18 हजार रुपये थी। वित्तीय वर्ष 2025-26 में जिला खादी एवं ग्रामोद्योग अधिकारी कार्यालय के माध्यम से भारतीय स्टेट बैंक एडीबी कृषि शाखा नौगढ़ से मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना के तहत उन्हें 4.56 लाख रुपये की वित्तीय सहायता मिली। इससे उन्होंने आधुनिक मशीनें और विभिन्न डाई खरीदीं। आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल से उत्पादन क्षमता और उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार हुआ। वर्तमान में शनी देवल की मासिक आय करीब 40 से 42 हजार रुपये तक पहुंच गई है। खास बात यह है कि वह स्वयं आत्मनिर्भर बनने के साथ अपनी माटीकला इकाई में आठ अन्य ग्रामीणों को भी रोजगार दे रहे हैं। माटीकला उत्पादों की बिक्री के लिए उन्होंने जनपद मुख्यालय में 'प्रजापति पोट्रीस' नाम से बांसी रोड, मधुकरपुर में साड़ी पावर हाउस के पास बिक्री केंद्र भी स्थापित किया है। शनी देवल ने योजना के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार जताते हुए कहा कि वित्तीय सहायता से उनके पारंपरिक हुनर को नई दिशा और व्यवसाय को नई गति मिली है।

नौकरी का झांसा देकर नाबालिग से दुष्कर्म करने के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

हापुड़ (वेलकम इंडिया)। कोतवाली हापुड़ नगर पुलिस ने नाबालिग युवती को नौकरी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए वांछित दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने दोनों अभियुक्तों को दिल्ली रोड स्थित एसएसवी पीजी कॉलेज के पास से गिरफ्तार किया।कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मनीष चौहान ने बताया कि जनपद में अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना हापुड़ नगर पुलिस ने मुकदमा संख्या 512/26, धारा 70(1), 351(3) बीएनएस एवं 3/4 पॉक्सो एक्ट से संबंधित मामले में नामजद वांछित दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों पर नाबालिग युवती को नौकरी दिलाने का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म करने का आरोप है।गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान मोहताबी पुत्र शकील निवासी सिम्भावली मिल, भैवापुर मस्तान नगर थाना सिम्भावली तथा वीरू उर्फ दिलशाद पुत्र इरशाद अली निवासी सिम्भावली मिल, भैवापुर मस्तान नगर थाना सिम्भावली, जनपद हापुड़ के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

ऑपरेशन मुस्कान के तहत खलीलाबाद पुलिस की बड़ी सफलता

घर से गईं नाबालिग बालिका एवं उनकी बुआ को सकुशल बरामद कर परिजनों को किया गया सुपुर्द

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन में जनपद में गुमशुदा/लापता बच्चों एवं व्यक्तियों की सकुशल बरामदगी हेतु चलाए जा रहे ऑपरेशन मुस्कान अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय के पर्यवेक्षण एवं प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली खलीलाबाद जयप्रकाश दूबे के नेतृत्व में थाना कोतवाली खलीलाबाद, उ0नि0 विनय कुमार पाण्डेय, चौकी प्रभारी तामेश्वरनाथ, आरक्षी मनीष प्रभात, महिला आरक्षी नीतू एवं सर्विलांस टीम को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। दिनांक 22.08.2026 को थाना कोतवाली खलीलाबाद पर प्रार्थना पत्र प्राप्त हुआ कि शिकायतकर्ता की नाबालिग पुत्री एवं उसकी बुआ दिनांक 21.08.2026 को घर से बाहर गई थीं, लेकिन काफी समय बीत जाने के बाद भी वापस नहीं लौटीं। परिजनों द्वारा काफी खोजबीन किए जाने के बावजूद दोनों का पता नहीं चल सका।

प्राप्त प्रार्थना पत्र के आधार पर थाना कोतवाली खलीलाबाद पर मु0अ0सं0 782/2026, धारा 137(2) बीएनएस के अन्तर्गत अभियोग पंजीकृत कर दोनों की सकुशल बरामदगी हेतु पुलिस टीम को लगाया गया। दोनों अपने साथ मोबाइल फोन लेकर नहीं गई थीं। इसके बावजूद थाना कोतवाली खलीलाबाद पुलिस एवं सर्विलांस टीम द्वारा तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण करते हुए लगातार अथक प्रयास किए गए। पुलिस टीम के निरंतर प्रयास एवं तकनीकी माध्यमों के कुशल प्रयोग से दोनों की दूसरे राज्य में मौजूदगी की जानकारी प्राप्त हुई, जिसके बाद पुलिस टीम द्वारा आवश्यक कार्रवाई करते हुए दोनों को सकुशल बरामद किया गया। पूछताछ में दोनों के घर से नाराज होकर दूसरे राज्य चले जाने की जानकारी सामने आई। पुलिस टीम द्वारा आवश्यक कार्रवाई पूर्ण करते हुए दोनों को सकुशल उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। ऑपरेशन मुस्कान के तहत थाना कोतवाली खलीलाबाद पुलिस एवं सर्विलांस टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई, तकनीकी साक्ष्यों के कुशल प्रयोग एवं अथक प्रयासों से दोनों को सकुशल बरामद कर उनके परिजनों से मिलाया गया।

सूचनाओं के नाम पर जनपद के 34 माध्यमिक विद्यालयों का वेतन रोकना अन्यायपूर्ण: संजय द्विवेदी

उत्तर प्रदेश से माध्यमिक शिक्षक संघ ने जताई आपत्ति

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीर नगर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेश मंत्री संजय द्विवेदी ने कहा है कि जीपीएफ से संबंधित सूचनाओं के संकलन के नाम पर जनपद के 34 माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत प्रधानाचार्य, शिक्षक व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों का का वेतन रोक देना अन्यायपूर्ण है। कल तक जनपद के शिक्षकों का वेतन बिल कोषागार नहीं पहुंचा तो आंदोलन होगा।

श्री द्विवेदी ने बताया कि जनपद के जीपीएफ कटौती के लेखा-जोखा से संबंधित प्रपत्र छह उपलब्ध ना कराने के कारण जिला विद्यालय निरीक्षक ने जनपद के 34 माध्यमिक विद्यालयों का वेतन रोक दिया है। जबकि इनमें से अधिकांश विद्यालयों ने अपनी सूचनाओं जिला विद्यालय निरीक्षक के पटल सहायक को उपलब्ध करा दी है।

श्री द्विवेदी ने बताया कि संत कबीर नगर जनपद का विभाजन 1997 में हुआ था किंतु 2002 तक जनपद के 34 माध्यमिक विद्यालयों के जीपीएफ का लेखा-जोखा बस्ती से डील किया जाता है। जनपद विभाजन के 29 साल बाद भी जीपीएफ की धनराशि ब्याज सहित संत कबीर नगर जनपद क कोषागार में वापस नहीं आई है, जिसको लेकर समय पर शिक्षक संगठन हो हल्ला करते रहे हैं। श्री द्विवेदी ने कहा है कि वेतन रोकना समस्या का समाधान नहीं है। विद्यालयों से समन्वय स्थापित कर जीपीएफ से संबंधित सूचना मंगाई जाए लेकिन वेतन सभी का निर्गत कर दिया जाए।

स्काउट-गाइड प्रशिक्षण में विद्यार्थियों ने सीखा तंबू निर्माण और गांठ बांधने का हुनर

एएच एग्रीकल्चर इंटर कॉलेज उजियार दुधारा में प्रशिक्षण शिविर का दूसरा दिन

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। विकासखंड सेमरियावां के एएच एग्रीकल्चर इंटर कॉलेज उजियार दुधारा में आयोजित स्काउट-गाइड प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन बुधवार को विद्यार्थियों को तंबू निर्माण, विभिन्न प्रकार की गांठें बांधने, यातायात नियमों का पालन करने और प्राकृतिक संकेतों से दिशाओं की पहचान करने का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत ध्वजारोहण के साथ हुई। प्रशिक्षण के दौरान स्काउट-गाइड विद्यार्थियों को गांठ-फांस बंधन की विभिन्न विधियों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षकों ने बताया कि रस्सी, धागे या कपड़े को आपस में जोड़ने, बांधने और सुरक्षित करने की कला स्काउटिंग प्रशिक्षण का महत्वपूर्ण हिस्सा है। विद्यार्थियों ने स्वयं अभ्यास कर विभिन्न प्रकार की गांठें बांधने की तकनीक सीखी। इसके साथ ही विद्यार्थियों को यातायात जागरूकता के संबंध में भी जानकारी दी गई। उन्हें सड़क पर पैदल चलते समय बरती जाने वाली सावधानियों, यातायात नियमों का पालन करने और दुर्घटनाओं से बचने के उपायों के बारे में बताया गया। विद्यार्थियों को बिना बर्तन के खाना बनाने की विधि का भी प्रशिक्षण दिया गया, ताकि विपरीत परिस्थितियों में वे उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग कर सकें। प्रशिक्षण के दौरान प्रकृति के माध्यम से दिशाओं की पहचान करने की जानकारी भी दी गई। प्रशिक्षक रमेश चंद्र यादव ने विद्यार्थियों को बताया कि सूर्य, तारों और पेड़ों की स्थिति सहित प्राकृतिक संकेतों के आधार पर दिशाओं का ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को इस तकनीक का व्यावहारिक अभ्यास भी कराया। तंबू निर्माण के प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को अस्थायी और पोर्टेबल शरणस्थली तैयार करने की प्रक्रिया समझाई गई। प्रशिक्षक ने बताया कि स्काउटिंग प्रशिक्षण का उद्देश्य विद्यार्थियों में आत्मनिर्भरता, अनुशासन, सहयोग की भावना और विपरीत परिस्थितियों में निर्णय लेने की क्षमता विकसित करना है। उन्होंने कहा कि यदि स्काउटिंग का प्रशिक्षण सही तरीके से लिया जाए तो विद्यार्थी जीवन की विभिन्न परिस्थितियों का आत्मविश्वास के साथ सामना कर सकते हैं। प्रधानाचार्य संजय द्विवेदी ने कहा कि स्काउट-गाइड प्रशिक्षण विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। गांठ बांधना, तंबू लगाना, प्राकृतिक संकेतों से दिशा पहचानना और बिना बर्तन के भोजन तैयार करना जैसी गतिविधियां विद्यार्थियों को व्यवहारिक ज्ञान देने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर भी बनाती हैं। उन्होंने यातायात नियमों के पालन पर जोर देते हुए कहा कि सड़क पर सुरक्षित रहने और दुर्घटनाओं से बचने का सबसे प्रभावी तरीका यातायात नियमों का पालन करना है।

मथुरा में जन्माष्टमी से पहले हुए जलभराव ने बढ़ाई चिंता, बारिश ने खोली नगर निगम के जल निकासी दावों की पोल

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व को लेकर मथुरा में लाखों श्रद्धालुओं के आगमन की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। नगर निगम की ओर से शहर में जल निकासी और व्यवस्थाओं को लेकर तमाम दावे किए जा रहे थे, लेकिन बुधवार को हुई बारिश ने इन दावों की पोल खोल दी। नगर निगम महापौर की ओर से सोशल मीडिया पर पोस्ट कर जल निकासी की व्यवस्था किए जाने का दावा किया गया था। जिस स्थान पर बेहतर जल निकासी व्यवस्था का श्रेय लिया गया, बारिश के बाद उसी इलाके में जलभराव की तस्वीरें सामने आईं। हालात यह रहे कि महापौर की स्वयं की तस्वीर भी पानी में डूबी नजर आई। जन्माष्टमी पर्व पर मथुरा में देशभर से लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। ऐसे में यदि बारिश होती है तो शहर की यातायात व्यवस्था और श्रद्धालुओं की आवाजाही को लेकर बड़ी चुनौती खड़ी हो सकती है। जलभराव के कारण कई प्रमुख मार्गों पर लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। खास बात यह है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मथुरा दौरा भी प्रस्तावित बताया जा रहा है। ऐसे में बारिश के दौरान प्रशासन और नगर निगम के सामने वीआईपी मूवमेंट के साथ-साथ आम श्रद्धालुओं के लिए बेहतर यातायात एवं जल निकासी व्यवस्था बनाए रखना बड़ी चुनौती होगी। अब सवाल यह है कि जन्माष्टमी के दौरान यदि बारिश होती है तो नगर निगम जलभराव से निपटने के लिए क्या ठोस व्यवस्था करेगा? क्या जल निकासी के दावे जमीन पर दिखाई देंगे या फिर मुख्यमंत्री के काफिले के लिए वैकल्पिक मार्ग तैयार किया जाएगा? बारिश ने फिलहाल नगर निगम के दावों पर सवाल जरूर खड़े कर दिए हैं।

बीईओ जाएंगे जेल, आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज

मथुरा (वेलकम इंडिया)। श्री कृष्ण की योग स्थली निराली मथुरा तीनों लोकों में सबसे ज्यादा निराली है यहां यह कहावत चरितार्थ हो रही है कि आया तो यहां कमाने परन्तु लुटा बैठा।यही कहावत मथुरा में वर्तमान बीईओ कैलाश त्रिपाठी के लिए सही चरितार्थ हो रही है। विदित है कि वर्तमान मथुरा नगर क्षेत्र के सीईओ जिन पर अतिरिक्त क्षेत्रों का प्रभार बीएसए महोदया की दया-दृष्टि से बना हुआ है। इनके बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी करने से मालुम चला है कि यह पूर्व में कार्यरत बीएसए महोदय के राया में रहते इस कदर चहेते थे ।कि कहीं भी से धन ले आओ मुझे आबाद करो उस समय बहुत ही इन बीईओ महोदय ने धन की लूट-खसोट बंदरबांट की इतना ही नहीं अपने चहेते लोगों को भी नहीं छोड़ा।इन बीएसए महोदया के सामने भी कौड़ी प्रकल्प नहीं सूझा इन्होंने आते ही नंदगांव के अतिरिक्त कोसीकलां एवं छाता विकासखण्ड क्षेत्र का अतिरिक्त प्रभार सौंप दिया। वहीं पर कहा जाए तो मुड़िया पूर्णिमा मेरे के दौरान अपनी सरकारी गाड़ी से हाथिया न्याय पंचायत की सघिन चैकिंग की यहां तक कि अपने दायित्व को को भूल गए कि मैं रात्रि में चैकिंग मजिस्ट्रेट रहा हूं। फिर उक्त न्याय पंचायत में चैकिंग कैसे कर सकता हूं। परन्तु सूत्रों के अनुसार पन्द्रह पन्द्रह हजार रुपए तक की प्रति अध्यापक ने मिलने पर वसूली की गई। परन्तु इतना ही नहीं इन महोदय की करतूत बयान कि जाए तो विकासखण्ड नंदगांव जिला मथुरा में एक नोडल एआरपी एवं एक प्रधानाध्यापक की वाट्स एप ग्रप पर चैटिंग हो गई तो इस महोदय कौन धन कमाने का मौका मिल गया। चहेते अधिकारी महोदया ने जांच भी इनको सौंप दी। जबकि एआरपी महोदया पक्ष ने अपनी शिकायत को महिला आयोग एवं पिछड़ा वर्ग आयोग को दर्ज कराया था वहीं नगला जरैला के पूर्ववर्ती वरिष्ठ पत्रकार महोदय रहे त्रिलोक चंद्र दुबे ने अपने उच्चाधिकारियों को अवगत कराया वहीं इस मामले में बीएसए महोदया के आदेशानुसार सुलहनामा हुआ। ताज्जुब कि बात करें तो जब हुई पन्द्रह दिन बाद यह दिनेश कुमार त्रिपाठी महोदय उस जांच आख्या को को रखकर भूल गए। इनके बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए लोगो ने बताया कि वह बीईओ महोदय सुबह ही विद्यालयों में बिना किसी भी विचार व्यक्त किए चलते हैं और उनकी मजबूरी रुपए कमाने तक सीमित ही है।

एनसीसी कैडेट्स को सिखाई ड्रोन तकनीक, 10 श्रेष्ठ कैडेट्स को मिलेगा

सीएटीसी-48 ड्रोन प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/फरह। 11 यू.पी. बटालियन एनसीसी द्वारा आयोजित सीएटीसी-48 ड्रोन प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन 63 इंजीनियर रेजिमेंट में सैन्य गरिमा एवं अनुशासन के साथ ड्रोन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। 31 अगस्त से 09 सितंबर तक आयोजित होने वाले इस शिविर का नेतृत्व कैंप कमांडेंट कर्नल विक्रांत त्यागी, सेना मेडल कर रहे हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ 63 इंजीनियर रेजिमेंट के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल सूरज सिन्हा के संबोधन से हुआ। उन्होंने कैडेट्स का स्वागत करते हुए आधुनिक समय में ड्रोन तकनीक के बढ़ते महत्व, प्रशिक्षण के उद्देश्यों तथा इसके व्यावहारिक और सामरिक उपयोगों की जानकारी दी। शिविर में विभिन्न शिक्षण संस्थानों से आए कुल 41 एनसीसी कैडेट्स प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। उद्घाटन सत्र में कैडेट्स को प्रशिक्षण कार्यक्रम, दैनिक समय-सारिणी और शिविर में होने वाली विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी गई। कैडेट्स को बताया गया कि 3 सितंबर 2026 को स्क्रीनिंग टेस्ट आयोजित किया जाएगा। स्क्रीनिंग टेस्ट और अंतिम परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 10 श्रेष्ठ कैडेट्स का चयन उन्नत ड्रोन प्रशिक्षण के लिए किया जाएगा। कर्नल सूरज सिन्हा ने कैडेट्स से प्रशिक्षण के दौरान अनुशासन, समयपालन, एकाग्रता और पूर्ण सहभागिता बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ड्रोन तकनीक वर्तमान समय में महत्वपूर्ण तकनीकी क्षमता के रूप में उभर रही है। इस क्षेत्र में प्रशिक्षण प्राप्त कर एनसीसी कैडेट्स अपने तकनीकी कौशल को विकसित करने के साथ भविष्य में उपलब्ध होने वाले नए अवसरों का लाभ उठा सकते हैं। इस अवसर पर मेजर वैभव मिश्रा, कैंप एडजुटेंट कैप्टन गोविंद, ट्रेनिंग ऑफिसर हुकम सिंह प्रजापति, सूबेदार मेजर राजविंदर सिंह, सूबेदार

पानीगांव रोड़ पर हुआ मेकअप सेमिनार कार्यक्रम आयोजित

अभिनेता सलमान सैयद ने विजेताओं को बांटी ट्रॉफी और सर्टिफिकेट

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। ब्यूटी पार्लर एवं मेकअप के क्षेत्र में लगातार बढ़ती रौनक और नई तकनीकों के बीच पानीगांव वृन्दावन रोड़ पर स्थित एक होटल में भव्य मेकअप सेमिनार एवं प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न कस्बों और शहरों से पहुंचे मेकअप आर्टिस्टों ने अपने हुनर का शानदार प्रदर्शन किया। वहीं सेमिनार का आयोजन श्री लक्ष्मी काव्या मेकअप स्टूडियो द्वारा किया गया। कार्यक्रम में बॉलीवुड अभिनेता सलमान सैयद मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेताओं को ट्रॉफी एवं सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम की आयोजक श्रीमती अनु शर्मा ने बताया कि मेकअप और ब्यूटी का क्षेत्र प्रतिभाशाली युवाओं के लिए असीम संभावनाओं वाला क्षेत्र है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से मेकअप आर्टिस्टों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ नई तकनीकों को सीखने का अवसर मिलता है। प्रतिभागियो द्वारा डांस और रेम्प वॉक भी किया गया।प्रतियोगिता में प्रथम स्थान राया निवासी प्राची ने प्राप्त किया, जबकि द्वितीय स्थान मनीष ने हासिल किया। दोनों विजेताओं सहित अन्य प्रतिभागियों को भी सम्मानित किया गया। वहीं संजना ब्यूटी पार्लर मांट ने ब्राइडल तैयार कर चार चांद लगा दिए।पानीगांव स्थित एक होटल में किए गए कार्यक्रम का संचालन प्रदीप शुक्ला ने शानदार अंदाज में किया। उनकी प्रभावी एंकरिंग ने पूरे कार्यक्रम में उत्साह और आकर्षण बनाए रखा। कार्यक्रम के दौरान मेकअप आर्टिस्टों एवं प्रतिभागियों में खासा उत्साह देखने को मिला।

बहोरवापुर-अगया मार्ग बदहाल, स्कूली बच्चों और राहगीरों को करना पड़ रहा परेशानी का सामना

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। सेमरियावां विकासखंड क्षेत्र में बहोरवापुर से तिलजा होते हुए सोनैरा गौसी और अगया को जोड़ने वाला करीब 3 किलोमीटर लंबा मुख्य मार्ग इन दिनों बदहाल है। सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं। बारिश के बाद गड्ढों में पानी भर जाने से राहगीरों, वाहन चालकों और स्कूली बच्चों को आवागमन में भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों के मुताबिक यह मार्ग दर्जनों गांवों को जोड़ने के साथ-साथ इंटर कॉलेज और कई सरकारी व निजी विद्यालयों तक पहुंचने का प्रमुख रास्ता है। प्रतिदिन छोटी-बड़ी स्कूल वाहनों से बच्चों का आवागमन होता है। सड़क की खराब स्थिति के कारण बच्चों की सुरक्षा को लेकर अभिभावकों की चिंता भी बढ़ गई है। अभिभावकों का कहना है कि बच्चे जब तक स्कूल से वापस घर नहीं लौट आते, तब तक उनकी चिंता बनी रहती है। बारिश के दिनों में सड़क पर बने गड्ढों में पानी भर जाने से यह पता लगाना मुश्किल हो जाता है कि गड्ढा कितना गहरा है। ऐसे में दोपहिया वाहनों के साथ स्कूल वाहनों के आवागमन में भी परेशानी होती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क की स्थिति लंबे समय से खराब है, लेकिन बारिश के बाद समस्या और गंभीर हो गई है। लोगों ने संबंधित विभाग से सड़क की जल्द मरम्मत कराने की मांग की है।

वहीं एमआईएम पार्टी के जिलाध्यक्ष सेराज अहमद, तिलजा के प्रधान इनामुल्लाह कुरैशी, सोनैरा गौसी के प्रधान सईद अहमद के साथ रिजवान अहमद, तौकीर चौधरी, मोहम्मद अहमद और हुसैन समेत कई स्थानीय लोगों ने भी विभागीय अधिकारियों से इस महत्वपूर्ण मार्ग की शीघ्र मरम्मत कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यह मार्ग क्षेत्र के लोगों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। सड़क की मरम्मत होने से स्कूली बच्चों, अभिभावकों, राहगीरों और वाहन चालकों को राहत मिलेगी। लोगों ने संबंधित विभाग से केवल गड्ढों को भरने के बजाय सड़क की स्थायी और गुणवत्तापूर्ण मरम्मत कराने की मांग की है।

डीएम की अध्यक्षता में डीसीसी एवं डीएलआरसी की बैठक आयोजित

सरकार की प्राथमिकता वाली योजनाओं के तहत लंबित ऋण पत्रावलियों का समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में जिला परामर्शदात्री समिति (डीसीसी) एवं जिला स्तरीय पुनरीक्षण समिति (डीएलआरसी) की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी और बैंकों के जिला समन्वयक मौजूद रहे। बैठक में जिलाधिकारी ने जनपद के सभी बैंकों के ऋण-जमा अनुपात (सीडी रेशियो) की समीक्षा की। उन्होंने स्टेट सीडी रेशियो के सापेक्ष जनपद के बैंकों के सीडी रेशियो में अपेक्षित प्रगति न होने पर नाराजगी जताई। उन्होंने पंजाब नेशनल बैंक, यूनियन बैंक, सेंट्रल बैंक तथा यूपी ग्रामीण बैंक के अधिकारियों को सीडी रेशियो में सुधार लाने के सख्त निर्देश दिए। पंजाब नेशनल बैंक के विभिन्न क्षेत्रों में खराब प्रदर्शन पर नाराजगी व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी ने बैंक अधिकारियों को अपने उच्चाधिकारियों के साथ अलग से बैठक कर स्थिति में सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता वाली योजनाओं के तहत बैंकों में लंबित ऋण पत्रावलियों का निर्धारित समय सीमा में निस्तारण किया जाए। पात्र आवेदकों की ऋण पत्रावलियों को स्वीकृत करते हुए उन्हें समय से ऋण उपलब्ध कराया जाए। यदि किसी आवेदन या पत्रावली में प्रक्रिया, दस्तावेज अथवा आवेदक की पात्रता से संबंधित कोई कमी है तो निर्धारित समय सीमा के भीतर स्पष्ट कारण दर्ज करते हुए ही उसे अस्वीकृत किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि सरकार की प्राथमिकता वाली योजनाओं में अनावश्यक रूप से ऋण पत्रावलियों को लंबित रखने या बैंक स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित बैंक अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। बैठक में मुख्यमंत्री युवा योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (पीएमएफएमई), पीएम सूर्य घर योजना तथा एक जनपद एक उत्पाद योजना समेत विभिन्न सरकारी योजनाओं की योजनावार प्रगति की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों और बैंक प्रतिनिधियों से आवंटित लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिया कि ऋण पत्रावलियों को बैंकों में अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए। अपूर्ण पत्रावलियों को संबंधित विभाग, बैंक और आवेदक के बीच समन्वय स्थापित कर शीघ्र पूर्ण कराया जाए तथा नियमानुसार पात्र पत्रावलियों को स्वीकृत करते हुए ऋण वितरण किया जाए। बैठक में पिछली बैठक की कार्यवृत्ति पर भी विस्तृत चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने बैंकों को ऋण वितरण में तेजी लाने के निर्देश देते हुए कहा कि इससे जनपद के सीडी रेशियो में सुधार होगा। उन्होंने कहा कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू करने में बैंकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए बैंक अधिकारी योजनाओं में रुचि लेते हुए लंबित ऋण पत्रावलियों का तत्काल निस्तारण सुनिश्चित करें। बैठक में परियोजना निदेशक विजयन्त कुमार, जिला मिशन प्रबंधक एनआरएलएम प्रवीण कुमार शुक्ल, भारतीय रिजर्व बैंक की प्रतिनिधि पल्लवी सोम, लीड बैंक अधिकारी पवन कुमार सिन्हा, उपायुक्त उद्योग विनोद कुमार वर्मा, सहायक आयुक्त उद्योग जितेन्द्र कुमार, जिला उद्यान अधिकारी समुद्रगुप्त मल्ल, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका खलीलाबाद, सूचना अधिकारी सुरेश कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी और विभिन्न बैंकों के जिला समन्वयक उपस्थित रहे।

यूपीसीओएस बना आउटसोर्स कर्मियों के लिए उम्मीद की नई किरण

जिलाधिकारी बोले–कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान कराने को जनपदीय समिति मौजूद

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। गांधी प्रेक्षागृह में बुधवार को नगर पालिका परिषद की ओर से उत्तर प्रदेश आउटसोर्सिंग निगम (यूपीसीओएस) के पोर्टल के शुभारंभ के अवसर पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को डेमो चेक वितरित किए गए, जबकि सफाई कर्मचारियों को सुरक्षा किट प्रदान की गई। इस दौरान लखनऊ से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम एवं संबोधन का सीधा प्रसारण भी दिखाया गया।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला पंचायत प्रशासक

डॉ. दलजीत कौर रहीं। विशिष्ट अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य, बरखेड़ा विधायक जयद्रथ उर्फ प्रवक्तानंद सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश आउटसोर्सिंग निगम की सेवाओं, निगम के लोगो के अनावरण, वेबसाइट एवं पोर्टल के शुभारंभ तथा बढ़े हुए पारिश्रमिक की घोषणा से संबंधित जानकारी दी गई। मुख्य अतिथि डॉ. दलजीत कौर ने कहा कि प्रदेश सरकार जो कहती है, उस पर अमल भी करती है। आउटसोर्सिंग निगम के माध्यम से कर्मचारियों को सेवा सुरक्षा मिलने के साथ ही सम्मानजनक मानदेय का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार कर्मचारियों के हितों को लेकर गंभीरता से कार्य कर रही है। बरखेड़ा विधायक प्रवक्तानंद ने कहा कि सरकार ने आउटसोर्स कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दिया है। प्रदेश में सभी वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाया जा रहा है। जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार ने आउटसोर्स कर्मचारियों के हित में महत्वपूर्ण पहल की है। किसी कर्मचारी को अपनी सेवा अथवा अन्य समस्या को लेकर परेशानी हो तो वह जनपदीय समिति के समक्ष अपनी बात रख सकता है। समारोह में श्रम विभाग की हितलाभ योजनाओं के 15 लाभार्थियों को धनराशि के डेमो चेक प्रदान किए गए। सफाई कर्मचारियों को सुरक्षा उपकरणों से युक्त टूल किट भी वितरित की गई। साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वाले आउटसोर्स कर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर नगर पंचायत नौगवां पकड़िया की चेयरमैन संदीप कौर, नगर पालिका परिषद पूरनपुर के चेयरमैन शैलेन्द्र गुप्ता, बरखेड़ा चेयरमैन श्याम बिहारी लाल भोजवाल, सीडीओ सतीश प्रसाद मिश्र, नगर मजिस्ट्रेट प्यारेलाल मौर्य सहित अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

70 दिन में 70 वार्ड तक पहुंची स्वास्थ्य सुरक्षा यात्रा, 2.5 लाख लोगों में एनसीडी जागरूकता का संदेश

वेलकम इंडिया संवाददाता

मुरादाबाद। सिद्ध मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल और नगर निगम मुरादाबाद द्वारा संचालित 'स्वास्थ्य सुरक्षा यात्रा-70 दिन, 70 वार्ड, एक मिशन' अभियान के तहत शहर के सभी 70 वार्डों में गैर-संचारी रोगों की रोकथाम और जागरूकता का व्यापक अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान 2.5 लाख से अधिक लोगों तक स्वास्थ्य संबंधी संदेश पहुंचाया गया तथा करीब 4,000 लोगों के स्वास्थ्य आंकड़ों का अध्ययन किया गया। अभियान के तहत चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ, लैब विशेषज्ञों और स्वास्थ्य कर्मियों की टीम ने वार्ड स्तर पर स्वास्थ्य जांच, जोखिम मूल्यांकन, परामर्श और फॉलो-अप की प्रक्रिया अपनाई। अध्ययन में 3,593 वयस्कों के विश्लेषण के आधार पर 61.9 प्रतिशत लोग मॉडरेट रिस्क और 19.9 प्रतिशत लोग हाई रिस्क श्रेणी में पाए गए। इस प्रकार कुल 81.8 प्रतिशत प्रतिभागियों में भविष्य में गंभीर बीमारियों का जोखिम सामने आया। रिपोर्ट के अनुसार 34.5 प्रतिशत लोगों में उच्च रक्तचाप, 26.2 प्रतिशत में बढ़ी हुई ब्लड शुगर तथा 55.8 प्रतिशत लोगों में बढ़ा हुआ BMI दर्ज किया गया। 30 से 45 वर्ष आयु वर्ग में भी स्वास्थ्य जोखिम के संकेत मिले, जिससे विशेषज्ञों ने युवाओं में समय रहते जांच और जीवनशैली सुधार की आवश्यकता बताई। सिद्ध मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल के चेयरमैन एवं मुख्य कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. अनुराग मेहरोत्रा ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं का उद्देश्य केवल बीमारी का इलाज नहीं, बल्कि बीमारी को होने से पहले रोकना होना चाहिए। उन्होंने लोगों से नियमित रूप से अपने बीपी, ब्लड शुगर, कोलेस्ट्रॉल और BMI की जांच कराने की अपील की। अभियान के निष्कर्षों के आधार पर मुरादाबाद मॉडल को देश के अन्य शहरों में भी लागू करने की संभावना जताई गई है। अस्पताल प्रबंधन ने अगले चरण में 'स्वस्थ की आदत' अभियान शुरू करने की घोषणा की है, जिसके तहत नियमित जांच, शारीरिक गतिविधि और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा दिया जाएगा।

राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल की दो शिकायतों पर मुकदमे हुए दर्ज, पुलिस ने शुरू की जांच

पूरनपुर/पीलीभीत (वेलकम इंडिया)। गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल के माध्यम से प्राप्त दो अलग– अलग साइबर टिपलाइन रिपोर्टों के आधार पर पूरनपुर थाना पुलिस ने गंभीर मामलों में मुकदमे दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दोनों मामलों में बच्चों से संबंधित अश्लील सामग्री के वीडियो मैसेंजर के माध्यम से अपलोड किए जाने का आरोप लगाया गया है। पुलिस अब डिजिटल साक्ष्यों और संबंधित खातों की गहनता से जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, पहली साइबर टिपलाइन रिपोर्ट संख्या 235946770 में संदिग्ध व्यक्ति का नाम लव मालवा दर्ज है। रिपोर्ट में बताया गया है कि 10 अप्रैल 2026 को मैसेंजर के एक चैटरूम के माध्यम से आपत्तिजनक वीडियो अपलोड किए जाने की जानकारी सामने आई। रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई शुरू की।इसी तरह दूसरी साइबर टिपलाइन रिपोर्ट संख्या 235228299 में संदिग्ध व्यक्ति का नाम न्हाए खान दर्ज है। आरोप है कि छह अप्रैल 2026 को मैसेंजर के एक चैटरूम के माध्यम से बच्चों से संबंधित अश्लील वीडियो अपलोड किया गया। मामले की सूचना साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल के माध्यम से पुलिस को मिली, जिसके बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई की गई। पुलिस ने दोनों मामलों में भारतीय न्याय संहिता की धारा 296 तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 67बी के तहत अभियोग पंजीकृत किया है। अब पुलिस रिपोर्ट में दर्ज डिजिटल जानकारी, संबंधित खातों और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की जांच कर रही है। जांच के दौरान यह भी पता लगाने का प्रयास किया जाएगा कि आपत्तिजनक सामग्री किस माध्यम से अपलोड की गई और इसमें किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका तो नहीं है।थानाध्यक्ष पवन पांडे ने बताया कि दोनों मामलों की जांच गंभीरता से की जा रही है। उपलब्ध डिजिटल साक्ष्यों और संबंधित खातों की तकनीकी जांच के बाद तथ्यों के आधार पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने स्पष्ट किया कि बच्चों से संबंधित अश्लील सामग्री का प्रसार गंभीर अपराध है और ऐसे मामलों में दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

धनपति वर्मा का गांव-गांव जनसंपर्क, कार्यकर्ताओं में भरा जोश

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। बुधवार को समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं अधिवक्ता धनपति वर्मा ने बरखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों का भ्रमण कर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। उन्होंने बिठौरा कलां, गजरौला कलां, चुड़ैला बंजरिया, पिपरिया भजा, सुहास, उगनपुर, आमडार, अरसियाबोझ और मड़ैया गांवों में पहुंचकर ग्रामीणों और पार्टी कार्यकताओं से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र की समस्याओं की जानकारी ली और उनके समाधान के लिए हरसंभव संघर्ष करने का भरोसा दिलाया।जनसंपर्क के दौरान धनपति वर्मा ने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा गांव, गरीब, किसान, मजदूर, नौजवान और आम जनता के हितों की आवाज मजबूती से उठाती रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और आपसी भाईचारे को मजबूत करना बेहद जरूरी है। जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को समझना और उन्हें उचित मंच पर उठाना ही उनकी प्राथमिकता है।उन्होंने ग्रामीणों से संवाद करते हुए कहा कि बरखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक गांव तक पहुंचकर लोगों से सीधे बातचीत की जा रही है। इसका उद्देश्य ग्रामीणों की वास्तविक समस्याओं को जानना और उनके समाधान के लिए प्रभावी तरीके से आवाज उठाना है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास और जनता के सम्मान से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा।सपा नेता ने कहा कि आने वाले समय में पार्टी संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत किया जाएगा। प्रत्येक कार्यकर्ता को पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ संगठन के लिए कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि मजबूत संगठन ही जनता की आवाज को मजबूती से आगे तक पहुंचा सकता है।ग्रामीणों ने भी क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और अपेक्षाओं को धनपति वर्मा के समक्ष रखा। उन्होंने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि जनसमस्याओं को गंभीरता से लेकर संबंधित मंचों पर उठाया जाएगा। इस दौरान आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भी ग्रामीणों और पार्टी कार्यकताओं के साथ चर्चा हुई।धनपति वर्मा ने कार्यकताओं से अभी से संगठन को मजबूत करने, गांव-गांव संपर्क बढ़ाने और जनता के बीच लगातार सक्रिय रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जनता के सम्मान, अधिकार और न्याय की लड़ाई में समाजवादी पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता पूरी मजबूती के साथ उनके बीच खड़ा रहेगा। जनसंपर्क के दौरान पार्टी कार्यकताओं और ग्रामीणों में उत्साह देखने को मिला।

धान सीजन से पहले मंडियों की व्यवस्थाएं हो दुरुस्त, किसान यूनियन ने डीएम को भेजा पत्र

पीलीभीत (वेलकम इंडिया)। धान के आगामी सीजन को देखते हुए अन्नदाता किसान यूनियन ने मंडियों में किसानों की सुविधाओं और व्यवस्थाओं को दुरुस्त कराने की मांग उठाई है। संगठन की ओर से जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजकर मंडियों में साफ–सफाई,जलनिकासी, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था समेत किसानों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं का समाधान कराने की मांग की गई है।ज्ञापन में कहा गया है कि एक अक्टूबर 2026 से धान का सीजन शुरू होने वाला है। ऐसे में जिले की मंडियों में बरसात को ध्यान में रखते हुए नालियों की साफ–सफाई समय रहते कराई जाए। मंडी परिसरों में खराब पड़े हैंडपंपों को रिबोर कराकर चालू कराया जाए। संगठन ने आरोप लगाया कि मंडी समिति में कई स्थानों पर गंदगी और घास खड़ी है तथा नालियां बंद पड़ी हैं, जिससे बारिश के दौरान मंडी परिसर में जलभराव की समस्या उत्पन्न हो सकती है। किसान यूनियन ने मंडी समितियों में रात के समय पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था कराने की भी मांग की है, ताकि किसानों को धान लेकर आने–जाने में परेशानी न हो। इसके अलावा पूरनपुर मंडी में बंद पड़े पानी के आरओ को सही कराने और किसानों के लिए पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की गई है। पत्र में पूरनपुर मंडी के जर्जर किसान भवन के पुनर्निर्माण की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। संगठन का कहना है कि भवन काफी जर्जर हालत में है और कभी भी हादसा हो सकता है। साथ ही मंडी समिति में कई वर्षों से खराब पड़े धर्मकांटे के रेट बोर्ड को ठीक कराने की मांग की गई है, जिससे धान की तौल में पारदर्शिता बनी रहे।किसान यूनियन ने पूरनपुर मंडी समिति में सीसीटीवी कैमरे लगवाने तथा विभिन्न समितियों में पर्याप्त जगह और रोशनी की व्यवस्था कराने की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि इससे किसानों का धान सुचारु रूप से तौला जा सकेगा और मंडी में पारदर्शिता बनी रहेगी।संगठन ने जिलाधिकारी से सभी बिंदुओं पर गंभीरता से विचार कर धान खरीद सीजन शुरू होने से पहले व्यवस्थाएं दुरुस्त कराने की मांग की है। पूरनपुर में धान खरीद को लेकर पहले भी किसान संगठनों और राइस मिलर्स के बीच विवाद सामने आ चुके हैं।

आबादी के बीच गिरी 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन, हादसे के बाद भी जिम्मेदार बेखबर

पूरनपुर/पीलीभीत (वेलकम इंडिया)। नगर के मोहल्ला ढका ज0 में नूरी मस्जिद के पास बुधवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन विद्युत लाइन अचानक आबादी के बीच जा गिरी। हाईटेंशन लाइन के जमीन पर गिरने से आसपास रहने वाले लोगों में दहशत फैल गई। गनीमत रही कि घटना के समय कोई व्यक्ति इसकी चपेट में नहीं आया, वरना बड़ा और जानलेवा हादसा हो सकता था।घटना के बाद स्थानीय लोगों ने विद्युत विभाग और संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों को मामले की सूचना देने का प्रयास किया। लोगों का आरोप है कि सूचना के बावजूद मामले को गंभीरता से नहीं लिया गया। इससे क्षेत्रवासियों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि आबादी के बीच 11 हजार वोल्ट की लाइन गिरना बेहद गंभीर मामला है। यदि समय रहते लाइन को सुरक्षित नहीं किया गया तो किसी भी

समय अनहोनी हो सकती है।लोगों के अनुसार, अधिकारियों की ओर से कथित तौर पर यह कहे जाने की बात सामने आई है कि हम क्या करें। इस कथित प्रतिक्रिया को लेकर भी लोगों में नाराजगी है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि जनसुरक्षा से जुड़े मामले में इस तरह की उदासीनता गंभीर चिंता का विषय है। बिजली की हाईटेंशन लाइन के खुले में पड़े रहने से बच्चों, बुजुर्गों और राहगीरों की जान को खतरा बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि विद्युत विभाग को ऐसे संवेदनशील स्थानों पर विद्युत लाइनों की नियमित जांच और समय पर मरम्मत करानी चाहिए, ताकि जर्जर अथवा क्षतिग्रस्त लाइनें हादसे का कारण न बनें। उनका यह भी कहना है कि किसी दुर्घटना के बाद कार्रवाई करने के बजाय विभाग को पहले से ही सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए। मोहल्ले के नबाब हसन, फाजिल खां, शहजाद, असीतुल्ला, निसार अहमद, गौस मोहम्मद, जमील हसन और आरिफ समेत अन्य लोगों ने प्रशासन तथा विद्युत विभाग से तत्काल हाईटेंशन लाइन को सुरक्षित तरीके से हटाने, क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति की जांच कराने और आवश्यक सुरक्षा उपाय किए जाने की मांग की है।

मृतक पुत्र के बैंक खाते से कई बार निकाली गई पीएफ की रकम, पिता ने पुलिस से की शिकायत

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। कस्बे की नई बस्ती बिजलीघर रोड निवासी एक व्यक्ति ने थाने पर तहरीर देकर अपने मृत पुत्र के बैंक खाते से अज्ञात व्यक्ति द्वारा रकम निकाले जाने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने मामले की जांच कर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की मांग की है। कस्बे की नई बस्ती निवासी अथर पुत्र अख्तर ने बुधवार को पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसके पुत्र आमिर का कस्बे के पंजाब नेशनल बैंक में खाता है। व्यक्ति के अनुसार उसके पुत्र आमिर की विगत 6 मार्च को एक हादसे में मृत्यु हो चुकी है। इसके बावजूद उसके बैंक खाते से अज्ञात व्यक्ति द्वारा कई बार पीएफ की रकम निकाली जा रही है।पीड़ित पिता का आरोप है कि पुत्र की मृत्यु के बाद खाते से रकम निकाले जाने की जानकारी मिलने पर उन्हें मामले में गड़बड़ी की आशंका हुई। उन्होंने पुलिस से खाते से हुई निकासी की जांच कराने, रकम निकालने वाले व्यक्ति की पहचान करने और उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

कांग्रेस ने शुद्धिकरण हवन किए जाने के विरोध में भाजपा का फूंका पुतला, दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की उठाई मांग

गरुड़ (वेलकम इंडिया)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के हल्द्वानी कार्यक्रम के बाद कथित शुद्धिकरण हवन किए जाने के विरोध में बुधवार को युवक कांग्रेस ने गरुड़ के ऐतिहासिक गांधी चबूतरे पर प्रदर्शन कर भाजपा का पुतला दहन किया। पूर्व विधायक ललित फर्स्वाण ने कहा कि 21वीं सदी में इस तरह की राजनीति समाज में व्याप्त भेदभाव को उजागर करती है। देश की प्रगति के लिए राष्ट्रीय एकता मजबूत करने और जातिवादी मानसिकता खत्म करने की जरूरत है। वही सत्ता के नशे में चूर भाजपाई देश मे जातिवाद, धार्मिक भेदभाव के आधार पर देशवासियों को धर्म विशेष की राजनीति के आधार पर भूमित कर देश की अखंडता और विश्वबन्धुत्व की नीति को कमजोर करने में तुली हुई है। वहीं प्रत्येक भारतीय अपने को गर्व से सनातनी मानता है,उसके बाद भी हिन्दू मुस्लिम सिक्ख ईसाई हम है सब भाई भाई की नीति पर संविधान द्वारा हमें सभी धर्मों को सम्मान देने की सीख दी जाती है। हिंदुत्व का भगवा चोला पहने कुछ लोग जातिगत भेदभाव के आधार पर समाज मे

परस्पर प्रेम भाईचारा को खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मामले में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग के बाद ऐसे बेलगाम लोगों के खिलाफ अब तक कार्रवाई नही होने से सत्ता पक्ष का संरक्षण होने के आरोप लगाते हुए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। बालकृष्ण ने कहा कि संविधान सभी नागरिकों को समान अधिकार देता है। युवा कांग्रेस नेता धीरज कुमार ने कहा कि प्रगतिशील सोच के साथ सभी को एकजुट होकर आगे बढ़ना होगा।ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष नरेंद्र सिंह बिष्ट ने कहा कि कांग्रेस जातिगत और धार्मिक असमानता के खिलाफ लगातार आवाज उठाती रहेगी। प्रदर्शन में यूथ कांग्रेस अध्यक्ष महेंद्र रावत, पूर्व ब्लॉक प्रमुख भारत फर्स्वाण, गिरीश तिवारी, लक्ष्मण आर्य, बसंत नेगी, प्रकाश आर्य, प्रकाश कोहली, संजय फर्स्वाण, गोपाल भाई, दीपक कोहली, हरीश भट्ट, केशव गिरी, प्रमोद रावत, विशाल फर्स्वाण और बबलू फर्स्वाण सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कपड़े की दुकान का 35 हजार रुपये का सामान ले गए चोर

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। कस्बे के माता मंदिर के निकट कपड़े की दुकान सें चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दे दिया। चोर मंदिर के अंदर रखा कपड़े की दुकान का सामान चोरी कर फरार हो गए। बुधवार सुबह मंदिर खोले जाने पर चोरी की घटना का पता चला। पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। कस्बे के माता मंदिर निवासी गर्वित शर्मा पुत्र चंद्रकांत शर्मा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी माताजी मंदिर में पुजारी के रूप में सेवा करती हैं। वह मंदिर के बाहर कपड़े की दुकान लगाते हैं। आरोप है कि अज्ञात चोर मंदिर परिसर में घुस गए और मंदिर के अंदर रखा उनकी दुकान का सामान चोरी कर लिया। सुबह मंदिर खोलने पर सामान गायब मिलने से घटना की जानकारी हुई। पीड़ित के अनुसार चोरी हुए सामान की अनुमानित कीमत करीब 35 हजार रुपये है। गर्वित शर्मा ने पुलिस से अज्ञात चोरों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चोरी हुआ सामान बरामद कराने की मांग की है। साथ ही उन्होंने मंदिर और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कर चोरों की पहचान कराने का भी अनुरोध किया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह का कहना तारीफ मिली है जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

बारिश से बर्बाद फसलों का ब्लॉक प्रमुख सभ्यता देवी वर्मा ने लिया जायजा

किसानों को राहत दिलाने के लिए फसल क्षति का शीघ्र सर्वे कराने के दिए निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। लगातार हो रही बारिश से किसानों की फसलों को हुए नुकसान को लेकर ब्लॉक प्रमुख सभ्यता देवी वर्मा ने बुधवार को विकासखंड मरौरी क्षेत्र के कई गांवों का दौरा किया। उन्होंने ग्राम मैदना, देवपुरा, कल्याणपुर नौगमा समेत आसपास के गांवों में पहुंचकर खेतों में खड़ी प्रभावित फसलों का जायजा लिया और किसानों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याएं जानीं। बारिश से फसलों को हुए नुकसान को देखकर उन्होंने संबंधित अधिकारियों से आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। किसानों ने ब्लॉक प्रमुख को बताया कि पिछले कई दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण खेतों में पानी भर गया है। जलभराव और अत्यधिक नमी के चलते धान सहित अन्य फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। कई किसानों ने बताया कि मेहनत और लागत लगाकर तैयार की गई फसल बारिश की वजह से खराब होने के कगार पर पहुंच गई है। इससे किसानों के सामने आर्थिक संकट खड़ा होने की आशंका है।ब्लॉक प्रमुख सभ्यता देवी वर्मा ने किसानों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए मौके पर ही संबंधित अधिकारियों से बातचीत की। उन्होंने निर्देश दिए कि बारिश से प्रभावित किसानों की फसलों का शीघ्र स्थलीय सर्वे कराया जाए। उन्होंने कहा कि सर्वे में वास्तविक क्षति का आकलन कराकर पात्र किसानों को शासन के नियमानुसार मुआवजा और राहत दिलाने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि किसानों को आर्थिक नुकसान से कुछ राहत मिल सके।सभ्यता देवी वर्मा ने कहा कि किसान क्षेत्र की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और उनकी समस्याओं की अनदेखी नहीं की जाएगी। प्राकृतिक आपदा के कारण जिन किसानों की फसलें प्रभावित हुई हैं, उनकी समस्या को प्राथमिकता के आधार पर संबंधित अधिकारियों के समक्ष उठाया जाएगा। उन्होंने किसानों को भरोसा दिलाया कि फसल क्षति का निष्पक्ष आकलन कराने और शासन स्तर से मिलने वाली राहत का लाभ दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। दौरे के दौरान ब्लॉक प्रमुख ने ग्रामीणों की अन्य समस्याएं भी सुनीं। ग्रामीणों ने सड़क, जलभराव, बिजली और सरकारी योजनाओं से संबंधित समस्याएं उनके सामने रखीं। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को समस्याओं का जल्द निस्तारण कराने के निर्देश दिए। साथ ही ग्रामीणों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर पात्र लोगों से उनका लाभ लेने की अपील की।इस दौरान ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। इनमें धर्मपाल, तेजराम, सोहनलाल, खूबचंद, शांति स्वरूप सहित अन्य लोग शामिल रहे।

झाड़-फूंक,इलाज के नाम पर ठगने का आरोप, बाइक छोड़कर भागा आरोपी

कांधला (वेलकम इंडिया)। थाना क्षेत्र के सलेमपुर मार्ग स्थित हमजा कॉलोनी में झाड़–फूंक और इलाज के नाम पर लोगों से हजारों रुपये ठगने का मामला सामने आया है। ठगी का शक होने पर पीड़ितों ने आरोपी से पूछताछ की तो वह अपनी बाइक मौके पर छोड़कर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बाइक कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। बुधवार को थाना क्षेत्र की हमजा कॉलोनी निवासी परवेज ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनके परिवार के बुजुर्ग साबिर के पैरों में सुन्नपन की समस्या थी। इसी दौरान एक व्यक्ति से उनका इलाज कराया जा रहा था। आरोप है कि आरोपी ने इलाज और झाड़–फूंक के नाम पर उनसे करीब 25 हजार रुपये ले लिए। वहीं, बस्ती निवासी भूरा ने भी आरोपी पर झाड़–फूंक और इलाज के नाम पर करीब 20 हजार रुपये लेने का आरोप लगाया है।दोनों पीड़ितों के अनुसार, जब उन्हें आरोपी की गतिविधियों पर शक हुआ और उन्होंने रुपये लिए जाने के संबंध में उससे पूछताछ की तो वह बाइक मौके पर छोड़कर फरार हो गया। पीड़ितों ने थाने पहुंचकर आरोपी के खिलाफ शिकायत करते हुए ठगी की रकम वापस दिलाने और कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मौके से मिली बाइक को कब्जे में लेकर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह का कहना है कि मामले की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रामनगर पुलिस ने छात्रों को साइबर अपराध और महिला सुरक्षा के प्रति किया गया जागरूक

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। डिजिटल दौर में बढ़ते साइबर अपराधों और महिला सुरक्षा को लेकर रामनगर पुलिस ने विद्यार्थियों को जागरूक करने के लिए विशेष साइबर जागरूकता एवं मिशन शक्ति कार्यक्रम आयोजित किया। पुलिस आयुक्त वाराणसी के निर्देशन तथा पुलिस उपायुक्त काशी जोन और अपर पुलिस उपायुक्त काशी जोन के पर्यवेक्षण में यह कार्यक्रम बुधवार, 2 सितंबर 2026 को पीएमश्री प्रभुनारायण राजकीय इंटर कॉलेज, रामनगर में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों और साइबर सेल की टीम ने विद्यार्थियों को तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराधों के प्रकार और उनसे बचाव के उपायों की विस्तार से जानकारी दी। छात्र-छात्राओं को विशेष रूप से ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, ओटीपी धोखाधड़ी, फर्जी लिंक, सोशल मीडिया के जरिए होने वाले अपराध, साइबर बुलिंग, फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल, ऑनलाइन गेमिंग तथा विभिन्न प्रकार के डिजिटल फ्रॉड से सावधान रहने की सलाह दी गई। पुलिस टीम ने विद्यार्थियों को समझाया कि साइबर अपराधी लोगों को लालच, डर या किसी अन्य तरीके से भ्रमित करके उनकी निजी और बैंकिंग जानकारी हासिल करने का प्रयास करते हैं। ऐसे में किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी, पासवर्ड, एटीएम या बैंक खाते से जुड़ी जानकारी और निजी विवरण साझा नहीं करना चाहिए। विद्यार्थियों को अनजान लिंक पर क्लिक न करने, संदिग्ध मोबाइल एप डाउनलोड करने से बचने तथा सोशल मीडिया पर अपरिचित लोगों से अनावश्यक संपर्क न करने की सलाह दी गई। पुलिस अधिकारियों ने सोशल मीडिया खातों की सुरक्षा के लिए मजबूत पासवर्ड रखने और टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन जैसी सुरक्षा सुविधाओं को सक्रिय करने की जानकारी भी दी। पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों को बताया कि साइबर अपराध की घटना होने पर घबराने के बजाय तत्काल अपने अभिभावकों और पुलिस को इसकी जानकारी देनी चाहिए। साइबर ठगी या अन्य ऑनलाइन अपराध की स्थिति में तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत करने के साथ ही cybercrime.gov.in के माध्यम से ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। पुलिस टीम ने विद्यार्थियों से अपील की कि वे स्वयं साइबर अपराधों के प्रति सतर्क रहें और अपने परिवार, मित्रों तथा आसपास के लोगों को भी डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक करें। अधिकारियों ने कहा कि डिजिटल युग में साइबर अपराध से बचने के लिए जागरूकता, सतर्कता और सावधानी सबसे प्रभावी उपाय हैं। कार्यक्रम के दौरान मिशन शक्ति अभियान के तहत छात्राओं को महिला सुरक्षा से जुड़े अधिकारों, सहायता के उपलब्ध माध्यमों और विपरीत परिस्थितियों में तत्काल सहायता लेने के संबंध में जानकारी दी गई।

पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल द्वारा अधिवर्षता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए अपर पुलिस आयुक्त (अपराध) आलोक प्रियदर्शी

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी/मिजार्मुराद। पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट वाराणसी मोहित अग्रवाल द्वारा अधिवर्षता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए अपर पुलिस आयुक्त (अपराध) आलोक प्रियदर्शी को पुलिस विभाग में उनके निष्ठावान, कर्तव्यपरायण, उत्कृष्ट एवं बेदाग सेवाकाल के लिए भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर पुलिस आयुक्त महोदय ने आलोक प्रियदर्शी के दीर्घ एवं गौरवपूर्ण सेवाकाल की सराहना करते हुए कहा कि उनके अनुभव, कार्यकुशलता, अनुशासन एवं कर्तव्य के प्रति समर्पण ने पुलिस विभाग को निरंतर मजबूती प्रदान की है। उनके द्वारा पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ किए गए कार्य सदैव प्रेरणादायी रहेंगे। सेवानिवृत्ति के इस महत्वपूर्ण पड़ाव पर उनके सुखद, स्वस्थ, समृद्ध एवं शांतिपूर्ण जीवन तथा उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं। साथ ही उनके आगामी जीवन में नई ऊर्जा एवं नए उत्साह के साथ परिवार के साथ मंगलकामना की गई।इस मौके पर काशी जोन, वरुणा जोन, और गोमती जोन के डीसीपी एडीसीपी एसीपी व अन्य अधिकारीगढ़ मौजूद रहे।

सभासद का बेटा निकला चोर टुल्लू पम्प बरामद

प्रतापगढ़ (वेलकम इंडिया)। महेशगंज पुलिस ने नगर पंचायत हीरागंज क्षेत्र में ट्यूबवेल के कमरे की खिड़की तोड़कर टुल्लू पंप चोरी करने की घटना का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को चोरी के सामान सहित गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान परान का पुरवा निवासी विष्णु सरोज (20) और अमन सरोज (22) पुत्र हीरालाल सरोज के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, हीरालाल सरोज नगर पंचायत हीरागंज के संबंधित वार्ड के सभासद हैं। पुलिस के मुताबिक, 29 अगस्त की रात परान का पुरवा निवासी वीरेंद्र प्रताप सिंह के ट्यूबवेल के कमरे का ताला तोड़ने का प्रयास किया गया। ताला नहीं टूटने पर आरोपियों ने खिड़की तोड़कर कमरे में प्रवेश किया और वहां लगी दो हॉर्सपावर की किर्लोस्कर कंपनी की मोटर/टुल्लू पंप चोरी कर ले गए। घटना के संबंध में एक सितंबर को महेशगंज थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने मामले की जांच करते हुए आरोपियों की तलाश शुरू की। बुधवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने पूरे किशुनी-बाघराय नहर मार्ग के पास से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से चोरी किया गया टुल्लू पंप बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में आरोपियों ने पंप चोरी कर उसे बेचने के लिए ले जाने की बात स्वीकार की है। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में संबंधित धारा की बढ़ोतरी की गई है।

विश्व कल्याण के संकल्प के साथ काशी में गूंजेंगे शिवमहिम्न स्तोत्र के स्वर

काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर में 6 सितंबर को मातृशक्ति का सामूहिक पाठ, 1500 महिलाओं के शामिल होने की संभावना

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। विश्व कल्याण, सुख-शांति, समृद्धि और मानव मात्र के मंगल की कामना को लेकर काशी में मातृशक्ति द्वारा सामूहिक शिवमहिम्न स्तोत्र पाठ का भव्य आयोजन किया जाएगा। विश्व मांगल्य सभा काशी प्रांत के तत्वावधान में आगामी 6 सितंबर को काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर में आयोजित होने वाले इस आध्यात्मिक आयोजन में करीब 1500 महिलाओं के शामिल होने की संभावना है। आयोजन को लेकर काशी की मातृशक्ति में विशेष उत्साह और उमंग का माहौल है। कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए पिछले एक सप्ताह से काशी महानगर के विभिन्न क्षेत्रों में शिवमहिम्न स्तोत्र के सामूहिक पाठ का नियमित अभ्यास कराया जा रहा है। नगवा, सुंदरपुर, डाफी, अस्सी, रामनगर, लक्सा, चितईपुर और पांडेयपुर सहित महानगर के आठ स्थानों पर प्रतिदिन करीब दो घंटे तक मातृशक्ति श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ स्तोत्र पाठ का अभ्यास कर रही है। अभ्यास सत्रों में महिलाएं सामूहिक एवं शुद्ध उच्चारण के साथ शिवमहिम्न स्तोत्र के पाठ की तैयारी कर रही हैं। आयोजकों के अनुसार अभ्यास के दौरान महिलाओं में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे इन अभ्यास कार्यक्रमों से वातावरण भी शिवभक्ति से ओतप्रोत हो रहा है। आयोजकों का कहना है कि सामूहिक शिवमहिम्न स्तोत्र पाठ का उद्देश्य केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से विश्व में सुख, शांति, समृद्धि, सद्भाव और मानव कल्याण की सामूहिक प्रार्थना की जाएगी। मातृशक्ति एक साथ भगवान शिव की आराधना कर समस्त मानवता के मंगल की कामना करेगी। विश्व मांगल्य सभा काशी प्रांत के पदाधिकारियों के अनुसार काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर में होने वाला यह आयोजन काशी की समृद्ध धार्मिक एवं आध्यात्मिक परंपरा को नई ऊर्जा प्रदान करेगा। देवाधिदेव महादेव की नगरी में एक साथ बड़ी संख्या में मातृशक्ति द्वारा शिवमहिम्न स्तोत्र का पाठ किया जाना आध्यात्मिक दृष्टि से विशेष महत्व रखता है।

आयोजन को लेकर काशी के विभिन्न क्षेत्रों में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। अभ्यास कार्यक्रमों में महिलाएं पूरे अनुशासन और श्रद्धाभाव के साथ भाग ले रही हैं। आयोजकों को उम्मीद है कि 6 सितंबर को काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर में शिवमहिम्न स्तोत्र के सामूहिक पाठ के दौरान वातावरण भक्तिमय हो उठेगा और भगवान शिव से विश्व कल्याण, सुख-शांति तथा मानवता के मंगल की प्रार्थना की जाएगी। काशी की मातृशक्ति इन दिनों इस विशेष आयोजन की तैयारियों में पूरी ऊर्जा और उत्साह के साथ जुटी है। आगामी 6 सितंबर को काशी में सामूहिक शिवमहिम्न स्तोत्र के स्वर विश्व कल्याण की मंगलकामना के साथ गूंजेंगे।

बाढ़ की आशंका के मद्देनजर एसडीएम टांडा ने किया गांवों का स्थलीय निरीक्षण

टांडा/रामपुर (वेलकम इंडिया)। मौसम विभाग की चेतावनी और संभावित बाढ़ को लेकर प्रशासन सतर्क है। उपजिलाधिकारी कुमार गौरव ने बुधवार को तहसीलदार निश्चय कुमार के साथ तहसील क्षेत्र के बिचपुरी, ईश्वरपुर, छितरीया जागीर, लालपुर कलां और प्रानपुर समेत कई गांवों का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जलभराव की स्थिति का जायजा लिया। सहरिया लक्खा और लालपुर कलां बाढ़ चौकी पर पहुंचकर उपलब्ध व्यवस्थाओं की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर तहसीलदार निश्चय कुमार समेत, राजस्व निरीक्षक सोमपाल सिंह और हल्का लेखपाल भी मौजूद रहे। उपजिलाधिकारी ने बताया कि संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए सूखा राशन, टेंट, तिरपाल, पका हुआ भोजन और अन्य राहत सामग्री के सभी वेंडरों को अलर्ट मोड पर रखा गया है, ताकि जरूरत पड़ते ही तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया जा सके। उन्होंने कहा कि तहसील प्रशासन पूरी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।

घर में भरा पानी, गर्भवती पत्नी और बेटी के साथ मुसीबत में परिवार

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। विधानसभा बाबागंज क्षेत्र के ग्रामसभा झींगुर गोपालापुर गांव निवासी विपिन गौतम पुत्र पुरई राम का परिवार लगातार बारिश के चलते गंभीर संकट से जूझ रहा है। गरीब परिवार पहले से ही टिन डालकर किसी तरह गुजर-बसर कर रहा है। पिछले दो दिनों से घर में पानी भरा होने के कारण परिवार की मुश्किलें और बढ़ गई हैं।

बताया गया कि घर चारों ओर से पानी से घिर गया है और बाहर आने-जाने का रास्ता भी बंद हो गया है। जलभराव के कारण गृहस्थी का अधिकांश सामान पानी में भीग गया है। परिवार में विपिन गौतम की गर्भवती पत्नी और एक बेटी है, जिससे उनकी चिंता और बढ़ गई है। परिवार के मुताबिक, घर में पानी भरा होने से सांप और अन्य जहरीले जीव-जंतुओं का खतरा बना हुआ है। पीड़ित का कहना है कि पहले भी सांप उनकी बेटी पर हमला करने की कोशिश कर चुका है। ऐसे में गर्भवती महिला और बच्ची की सुरक्षा को लेकर परिवार भयभीत है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि ग्राम सभा की ओर से अब तक कोई सहायता नहीं मिल सकी है। परिवार ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से तत्काल मौके पर पहुंचकर जलनिकासी और सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था कराने की मांग की है। विपिन गौतम ने कहा कि यदि तत्काल आर्थिक सहायता संभव नहीं है तो कम से कम घर से बाहर निकलने के लिए सुरक्षित रास्ता उपलब्ध कराया जाए। साथ ही जलभराव की स्थिति सामान्य होने तक परिवार को किसी सुरक्षित स्थान पर ठहराने की व्यवस्था की जाए। टिन के सहारे जीवन गुजार रहा गरीब परिवार अब बारिश और जलभराव के बीच प्रशासन की मदद का इंतजार कर रहा है। परिवार ने जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से तत्काल सहायता की गुहार लगाई है।

बारिश से नदी-नालों में उफान पर सिंचाई विभाग का अलर्ट

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। अधिशासी अभियंता सिंचाई खंड-2 आशुतोष सारस्वत ने सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वर्तमान में क्षेत्र में हो रही अत्यधिक एवं लगातार वर्षा के कारण विभिन्न नालों एवं नदियों के सम्पूर्ण कैचमेंट क्षेत्र से बड़ी मात्रा में वर्षाजल छोटे-बड़े नालों के माध्यम से प्रवाहित हो रहा है। लगातार वर्षा के कारण नालों एवं जल निकासी मार्गों में पानी लगभग पूर्ण क्षमता से प्रवाहित हो रहा है। विशेष रूप से बकुलाही नदी से जुड़े कैचमेंट क्षेत्रों तथा बड़े नालों/ड्रेनों के कैचमेंट क्षेत्र में लगातार पानी की आवक बनी हुई है। वर्षा का क्रम जारी रहने के कारण कुछ स्थानों पर जल निकासी की गति अपेक्षाकृत धीमी हो सकती है। वर्तमान वर्षा की स्थिति एवं नालों में अत्यधिक जलप्रवाह को दृष्टिगत रखते हुए जनसामान्य से अपील है कि सतर्क रहें तथा नालों, नदियों एवं जल निकासी मार्गों के समीप न जाएं। नालों में पानी के तेज बहाव के कारण किसी भी प्रकार की दुर्घटना की संभावना हो सकती है।

उन्होंने सभी नागरिकों से अनुरोध किया है कि नालों एवं नदियों में स्नान न करें, बच्चों को इनके आसपास न जाने दें तथा जलभराव एवं तेज बहाव वाले स्थानों पर किसी भी प्रकार की गतिविधि न करें। ग्रामीण क्षेत्रों में अपने आवास एवं आबादी के आसपास भी जल निकासी मार्गों से पर्याप्त दूरी बनाए रखें। वर्तमान में नालों के माध्यम से पानी की निकासी निरंतर हो रही है तथा विभागीय स्तर पर स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने जनसुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए सभी नागरिकों से सहयोग एवं सावधानी बरतने की अपील की है।

साहस और कर्तव्यनिष्ठा को सलाम, तीन पुलिसकर्मियों को मिला मुख्यमंत्री का सम्मान

वेलकम इंडिया/मयूर खान

आगरा। आगरा में कर्तव्य के दौरान अदम्य साहस और उत्कृष्ट कार्य का प्रदर्शन करने वाले कमिश्नरेट आगरा के तीन पुलिसकर्मियों को मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश की ओर से सम्मानित किया गया। मंगलवार को पुलिस आयुक्त आगरा दीपक कुमार (आईपीएस) और अपर पुलिस आयुक्त सचिन्द्र पटेल ने मुख्यमंत्री द्वारा प्रदान किए गए प्रशस्ति पत्र एवं 25 हजार रुपये के नगद पुरस्कार से पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया। सम्मान पाने वालों में सहायक पुलिस आयुक्त जसवीर सिंह सिरोही, निरीक्षक नीरज कुमार शर्मा और मुख्य आरक्षी लोकेश कुमार शामिल हैं। तीनों पुलिसकर्मियों को यह सम्मान कर्तव्य पालन के दौरान प्रदर्शित अदम्य साहस एवं उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रदान किया गया है। पुलिस आयुक्त दीपक कुमार और अपर पुलिस आयुक्त सचिन्द्र पटेल ने सम्मानित पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र एवं नगद पुरस्कार प्रदान करते हुए उनके कार्य की सराहना की। अधिकारियों ने कहा कि पुलिस सेवा में साहस, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण बेहद महत्वपूर्ण हैं। विपरीत परिस्थितियों में जिम्मेदारी का निर्वहन करने वाले पुलिसकर्मी पूरी पुलिस फोर्स के लिए प्रेरणास्रोत होते हैं। सम्मान समारोह के दौरान पुलिस अधिकारियों ने ऐसे उत्कृष्ट कार्यों को पुलिसकर्मियों के मनोबल और उत्साह को बढ़ाने वाला बताया। मुख्यमंत्री की ओर से मिला यह सम्मान कमिश्नरेट आगरा के लिए भी गौरव की बात है। साहस, कर्तव्य और समर्पण के साथ ड्यूटी निभाने वाले तीनों पुलिसकर्मियों को मिला यह सम्मान उनकी उत्कृष्ट सेवा की पहचान बनने के साथ अन्य पुलिसकर्मियों के लिए भी प्रेरणा का संदेश है।

भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जिला उपाध्यक्ष संजय सिंह का सर्किट हाउस में किया जोरदार स्वागत

वेलकम इंडिया/ संदीप तिवारी

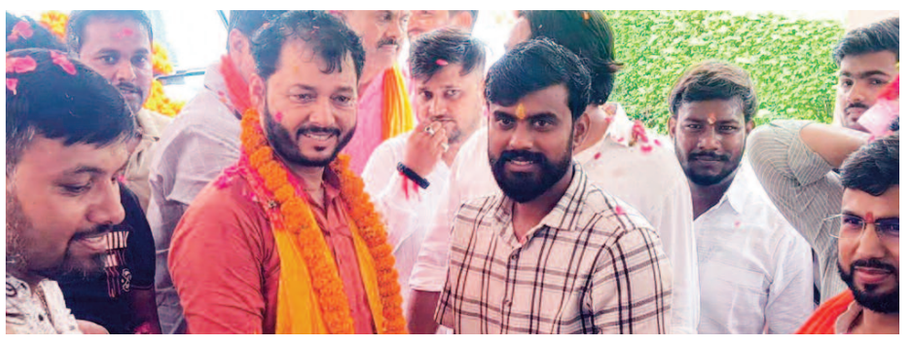

वाराणसी/मिजार्मुराद। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा नव नियुक्त जिला उपाध्यक्ष संजय सिंह का सर्किट हाउस में जोरदार स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से उनका स्वागत करते हुए नई जिम्मेदारी मिलने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

सर्किट हाउस में आयोजित स्वागत समारोह में भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला। कार्यकर्ताओं ने कहा कि संजय सिंह के नेतृत्व और संगठनात्मक अनुभव से पार्टी को और अधिक मजबूती मिलेगी।संजय सिंह को नई जिम्मेदारी मिलने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने दी शुभकामनाएं। इस मौके पर प्रवीण सिंह रघुवंशी, शिशिर सिंह विक्की, श्याम कार्तिक मिश्रा, शशांक श्रीवास्तव, अखण्ड सिंह, मंटू सिंह राजन मिश्रा, देवमणि त्रिपाठी वह अन्य हजारों कार्यकर्ताओं द्वारा जोरदार स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

संदीप कुमार यादव बने सपा प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य, कार्यकर्ताओं में हर्ष की लहर

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। समाजवादी पार्टी ने संगठन को मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ विश्वविद्यालय, वाराणसी के शताब्दी छात्रसंघ अध्यक्ष संदीप कुमार यादव को प्रदेश कार्यकारिणी में सदस्य नामित किया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश तथा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल की संस्तुति पर उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई है। संदीप कुमार यादव के प्रदेश कार्यकारिणी का सदस्य बनाए जाने की जानकारी मिलते ही समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को बधाई दी और नवनियुक्त प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य के उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की कामना की। पार्टी नेताओं ने कहा कि संदीप कुमार यादव लंबे समय से छात्र राजनीति और संगठनात्मक गतिविधियों से जुड़े रहे हैं। शताब्दी छात्रसंघ अध्यक्ष के रूप में उनकी सक्रियता को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने उन्हें प्रदेश संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी है। कार्यकर्ताओं को उम्मीद है कि उनके अनुभव और सक्रियता से पार्टी को युवाओं के बीच और मजबूती मिलेगी। संदीप कुमार यादव के मनोनयन पर पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कहा कि समाजवादी पार्टी लगातार युवाओं को संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां देकर उन्हें आगे बढ़ने का अवसर दे रही है। प्रदेश कार्यकारिणी में नई जिम्मेदारी मिलने से कार्यकर्ताओं में भी उत्साह बढ़ा है। नवनियुक्त प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य को बधाई देने वालों में चंदौली जिलाध्यक्ष सुजीत यादव 'लक्कड़', जिलाध्यक्ष सत्यनारायण राजभर, प्रदेश सचिव शोभनाथ यादव, संतोष सिंह, हरीश मिश्रा, पूर्व महामंत्री अनिल यादव, प्रदेश सचिव पिंटू पाल, जिला पंचायत सदस्य रमेश यादव, निलेश यादव सहित बड़ी संख्या में पार्टी नेता एवं कार्यकर्ता शामिल रहे। पार्टी कार्यकर्ताओं ने उम्मीद जताई कि संदीप कुमार यादव संगठन को मजबूत करने के साथ ही युवाओं को समाजवादी पार्टी से जोड़ने और पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

लगातार बारिश से गिरे दो कच्चे मकान, मलबे में दबकर दो वृद्ध महिलाओं की मौत

मिजार्पुर। मिजार्पुर जिले में लगातार हो रही बारिश के कारण जिले में कच्चे मकानों के गिरने का सिलसिला शुरू हो गया है। हलिया और अदलहाट थाना क्षेत्रों में बारिश के चलते कच्चे मकान ढहने से मलबे में दबकर दो वृद्ध महिलाओं की मौत हो गई। दोनों घटनाओं में ग्रामीणों ने मलबा हटाकर महिलाओं को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। हलिया थाना क्षेत्र के सोठिया कला गांव में मंगलवार रात कच्चे मकान की दीवार भरभराकर गिर गई। मकान में सो रही सुभागीन देवी (80) मलबे में दब गईं। मकान गिरने की आवाज सुनकर पुत्रवधू ने शोर मचाया। ग्रामीण मौके पर पहुंचे और मलबा हटाकर वृद्धा को बाहर निकाला, लेकिन उनकी मौत हो चुकी थी। मृतका का इकलौता पुत्र रामनरेश उस समय भेड़ लेकर मझियार सिवान गया था। सूचना पर पुलिस और राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची। थानाध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि बारिश के कारण कच्चे मकान की दीवार गिरने से वृद्धा की मौत हुई है।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह में वाद विवाद प्रतियोगिता तथा पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के अवसर पर गिन्नी देवी मोदी कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय मोदीनगर में गृहविज्ञान विभाग द्वारा विद्यार्थियों में सुपोषण, विभिन्न आयु वर्ग हेतु पोषक तत्वों की आवश्यकता तथा स्वस्थ जीवन शैली के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से वाद विवाद, स्लोगन राइटिंग एवं पोस्टर प्रतियोगिता का कुशल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर पूनम शर्मा के द्वारा किया गया। प्राचार्या जी ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के महत्व तथा इसकी थीम के संबंध में अवगत कराया तथा स्वस्थ जीवन शैली अपनाने हेतु शपथ ग्रहण कराई। प्रतियोगिताओं का आयोजन डॉक्टर राखी मित्तल द्वारा किया गया। वाद विवाद प्रतियोगिता में 42 छात्राओं ने प्रतिभागिता सुनिश्चित की। बीएससी सीएनडी प्रथम वर्ष की कुमारी अलीशा आसिफ ने स्वरचित कविता से सबका मन मोह लिया। थाली में रंग हो,सेहत का संग हो। दाल, रोटी, सब्जी से हर दिन उमंग हो । जैसी पंक्तियां का वाचन करके अलीशा ने प्रतियोगिता में प्रथम स्थान ग्रहण किया। इसके अतिरिक्त पोस्टर प्रतियोगिता में छात्राओं ने रचनात्मक एवं आकर्षक पोस्टरों के माध्यम से सही पोषण -स्वस्थ जीवन, एनीमिया की रोकथाम, पोषण सुरक्षा का संदेश जन- जागरूकता हेतु प्रसारित किया। छात्राओं की रचनात्मकता और विषय की समझ ने सभी श्रोताओं को प्रभावित किया । पोस्टर प्रतियोगिता में बीएससी सीएनडी की प्रथम वर्ष की कुमारी मुस्कान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा स्लोगन राइटिंग में बीएससी सी एन डी प्रथम वर्ष की कुमारी ज्योति ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। निर्णायक मंडल ने प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि पोषण संबंधी जागरूकता स्वस्थ समाज के निर्माण की आधारशिला होती है। पोस्टर प्रतियोगिता में 28 छात्राओं ने तथा स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता में 19 छात्राओं ने प्रतिभागिता की। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉक्टर मीनू अग्रवाल, डॉक्टर चेतना, डॉक्टर शिखा त्यागी डॉक्टर नम्रता, डॉक्टर ईशा सचदेवा ,शालू तिवारी, गायत्री और आशी महत्वपूर्ण योगदान रहा।

होटल के पूर्व मैनेजर पर बुकिंग के नाम रकम हड़पने का आरोप, थाने में दी तहरीर

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत गोविंदपुरी स्थित एक्शन रिसॉर्ट के संचालक सतेन्द्र गुप्ता ने थाने में एक तहरीर देकर होटल के पूर्व मैनेजर पर बुकिंग के नाम पर ग्राहक से 50 हजार रुपये अपने खाते में ट्रांसफर कराने और रकम हड़पने का आरोप लगाया है। मामले में उन्होंने पूर्व मैनेजर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। सत्येंद्र गुप्ता में थाने में दी गई तहरीर में कहा है कि सुनील शर्मा करीब तीन माह तक एक्शन रिसॉर्ट में मैनेजर के पद पर कार्यरत था। आरोप है कि 7 अप्रैल 2026 को राकेश रतुरी नामक ग्राहक ने रिसॉर्ट में हॉल, कैटरिंग और कमरे की बुकिंग कराई थी। शिकायतकर्ता का आरोप है कि बुकिंग की एवज में मिलने वाली 50 हजार रुपये की राशि रिसॉर्ट के आधिकारिक खाते अथवा कैश काउंटर पर जमा कराने के बजाय मैनेजर ने ग्राहक से एक मोबाइल नंबर से जुड़े खाते में ऑनलाइन ट्रांसफर करा ली। रिसॉर्ट संचालक के मुताबिक, इस कथित लेनदेन की जानकारी उन्हें 29 अगस्त 2026 को ग्राहक द्वारा भुगतान और बुकिंग के संबंध में जानकारी देने के बाद हुई। ग्राहक द्वारा उपलब्ध कराए गए भुगतान संबंधी साक्ष्यों के आधार पर संचालक ने मैनेजर पर विश्वासघात और धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। शिकायत में यह भी कहा गया है कि रिसॉर्ट की बुकिंग बुक के नंबर 101 से 200 तथा 301 से 400 तक के रजिस्टर और अन्य दस्तावेज गायब हैं। ऐसे में संचालक को आशंका है कि मैनेजर द्वारा अन्य ग्राहकों से भी इसी प्रकार बुकिंग के नाम पर रकम ली गई हो सकती है।सतेन्द्र गुप्ता ने पुलिस से मामले की जांच कर पूर्व मैनेजर के खिलाफ अमानत में खयानत, चोरी और धोखाधड़ी समेत उचित कानूनी कार्रवाई करने तथा कथित रूप से हड़पी गई रकम वापस दिलाने की मांग की है। उन्होंने यह भी कहा कि मैनेजर के कार्यकाल में की गई ऐसी किसी अन्य बुकिंग की जानकारी उन्हें नहीं है और यदि ऐसी कोई बुकिंग सामने आती है तो उसकी जांच कर जिम्मेदारी तय की जाए। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जाएगी। जांच के बाद आरोपों की सत्यता और लेनदेन से जुड़े तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वेद कथा में ईशभक्ति से परिपूर्ण भजनों का कार्यक्रम का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। आर्य समाज गोविन्दपुरी में 'श्रावणी उपाकर्म' के अवसर पर आयोजित वेद कथा के दूसरे दिन बिजनौर से पधारे पं मोहित शास्त्री के ईशभक्ति से परिपूर्ण भजनों का कार्यक्रम हुआ, तत्पश्चात सुल्तानपुर से पधारे स्वामी शुचिषद् मुनि जी का प्रवचन हुआ। स्वामीजी ने ईश्वर के अस्तित्व पर अपने विचार व्यक्त किए और कहा कि ईश्वर कण-कण में विद्यमान है वह हमारे निकटतम है जो कुछ कार्य हो रहा है वह ईश्वर ही कर रहा है,. न कि हम और आप। उदाहरण देकर समाते हुए कहा कि हम साँस ले रहे है या आ रहा है, सोते समय हम साँस ले रहे हैं, यह सब ईश्वर ही कर रहा है। जैसे कोई भी कार्य बिना कर्ता के नहीं होता उसी प्रकार विशाल ब्रह्मांड को चलाने वाला ईश्वर ही है। इस अवसर पर प्रधान आर्य समाज, गोविंदपुरी मोदीनगर डॉ० दिनेश कुमार मलिक,आर्य समाज जी.टी. रोड रोड, मोदीनगर मोदीनगर के प्रधान डॉ पवन सिंघल, मन्त्री खेमराज , आनन्द त्यागी, सुनील कुमार भाटिया, राजेश योगीराज, दिव्य मलिक, स्त्री आर्य समाज की मंत्री श्रीमति अनीता , धनेश्वरी रामाजी तथा कई सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे । अन्त में मंत्री विश्वबंधु ने सबका आभार प्रकट किया।

सीआईएससीई नेशनल एथलेटिक मीट में माउंट कार्मेल के खिलाड़ियों का ऐतिहासिक प्रदर्शन

यक्ष त्यागी ने नए नेशनल रिकॉर्ड के साथ जीते 2 स्वर्ण व 1 कांस्य पदक, विराट सिंह को कांस्य

वेलकम इंडिया संवाददाता

मुरादनगर। माउंट कार्मल स्कूल के निदेशक फादर मैथ्यू, प्रधानाचार्या सिस्टर ललिता,मैनेजर फादर जोशे ने बताया कि सीआईएससीई स्कूल गेम्स एंड स्पोर्ट्स 2026-27 के अंतर्गत आयोजित नेशनल एथलेटिक मीट का समापन महात्मा गांधी स्टेडियम, तुमकुरु (बेंगलुरु) में हुआ।

आयोजित यह प्रतियोगिता सीआईएससीई के इतिहास की अब तक की सबसे बड़ी व शीर्ष स्तरीय राष्ट्रीय प्रतियोगिता रही, जिसमें देश भर के 16 रीजन के कुल 813 खिलाड़ियों ने भाग लिया और लगभग 16 से 17 स्पधाओं में नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित हुए।इस महामुकाबले में गाजियाबाद रीजन (उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड) का प्रतिनिधित्व करते हुए माउंट कार्मेल स्कूल के एथलीटों ने ऐतिहासिक प्रदर्शन कर विद्यालय एवं पूरे क्षेत्र का नाम राष्ट्रीय पटल पर रोशन किया। खिलाड़ियों की प्रमुख उपलब्धियां एवं परिणामः यक्ष त्यागी (अंडर-14 बालक वर्ग): प्रतियोगिता के सबसे सफल एथलीटों में शुमार रहे। उन्होंने 80 मीटर हर्डल्स (बाधा दौड़) में 11.86 सेकंड के अभूतपूर्व समय के साथ नया नेशनल रिकॉर्ड स्थापित करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

इसके अलावा, यक्ष ने 100 मीटर दौड़ में शानदार रफ्तार के साथ दूसरा स्वर्ण पदक तथा लॉन्ग जंप (लंबी कूद) स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर कुल 3 पदकों पर कब्जा जमाया।विराट सिंह (अंडर-14 बालक वर्ग): 80 मीटर हर्डल्स में कड़े मुकाबले के बीच उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक हासिल किया।

कुणाल कुंडू (अंडर-17 बालक वर्ग): शॉटपुट (गोला फेंक) स्पर्धा में देश भर के शीर्ष थ्रोअर्स के बीच शानदार तकनीक दिखाते हुए चौथा स्थान (4th Positio»»f) प्राप्त किया। सात्विक गौड़ (अंडर-17 बालक वर्ग): 4100 मीटर रिले रेस में अपनी तेज गति और उत्कृष्ट तालमेल के साथ असाधारण खेल का प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय स्तर पर 16 रीजन के 813 शीर्ष दिग्गजों के बीच माउंट कार्मेल के खिलाड़ियों की इस स्वर्णिम व रिकॉर्ड-तोड़ सफलता।

रजत बने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रदेश संयोजक

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। धामपुर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की प्रांत कार्यकारिणी बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान संगठन के प्रदेश अध्यक्ष द्वारा रजत को प्रदेश संयोजक के दायित्व की घोषणा की गई। रजत की इस नियुक्ति को मोदीनगर के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। रजत को प्रदेश संयोजक की जिम्मेदारी मिलना इसलिए भी विशेष माना जा रहा है, क्योंकि अब तक मोदीनगर से कोई भी कार्यकर्ता विद्यार्थी परिषद की प्रदेश टीम में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य से ऊपर के दायित्व तक नहीं पहुंच सका था। रजत मूल रूप से मोदीनगर क्षेत्र के बिसोखर गांव के रहने वाले हैं। उनके पिता व्यवसाय करते हैं। रजत खटीक समाज से आते हैं। उन्होंने वर्ष 2017 में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की सदस्यता ग्रहण कर छात्र राजनीति में अपने सामाजिक एवं संगठनात्मक जीवन की शुरूआत की। संगठन में सक्रिय भूमिका निभाते हुए रजत को विभिन्न महत्वपूर्ण दायित्व सौंपे गए। उन्होंने नगर सहमंत्री, जिला संयोजक कला मंच, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं जिला संयोजक जैसे दायित्वों का निर्वहन किया। जब रजत को गाजियाबाद जिला संयोजक की जिम्मेदारी दी गई थी, उस समय जिला समिति की ओर से प्रदेश टीम को दो नाम प्रस्तावित किए गए थे। इनमें रजत के साथ लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर के छोटे पुत्र नागेश गुर्जर का नाम भी शामिल था। प्रदेश टीम ने रजत की संगठनात्मक क्षमता और कार्यशैली पर विश्वास जताते हुए उन्हें जिला संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी।

साहित्य मंच मोदीनगर की मासिक कवि गोष्ठी संपन्न

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। साहित्य मंच मोदीनगर की मासिक गोष्ठी कवि प्रदीप भारद्वाज की कुटिया पर आयोजित हुई। जिसकी अध्यक्षता जय भगवान गोयल ने तथा संचालन देवीशरण पश्यक ने किया।

गोष्ठी का शुभारंभ कवि प्रदीप भारद्वाज की सरस्वती वंदना से हुआ। शारदे ज्ञान गंगा बहा दो जरा,ये धरा तो स्वयं स्वर्ग बन जायगी। सूखती जा रही मन की तुलसी फिर,गीत हरियाली के झूमकर गायगी। राष्ट्र और सनातन धर्म के चिन्तन पर भी प्रदीप भारद्वाज की रचना यथार्थ के धरातल पर भविष्यवाणी का घोष कर रही थी-धर्म बचा तो देश बचेगा,वरना तम अवशेष बचेगा, रक्षित रहा सनातन तो ही, संविधान परिवेश बचेगा। कवयित्री राखी सिंह ने अपनी रचना में कहा-राहें सुगम हो जाएगीं,बस धीरज होना चाहिए।मंजिलें मिल जाएगीं,बस लक्ष्य होना चाहिए।। राखी सिंह की यह रचना गोष्ठी में मुक्त कंठ से सराही गई। कवि देवीशरण पश्यक ने आध्यात्मिक रचना ने गोष्ठी को ज्ञान की गहराई से अभिसिंचित करते हुए कहा-जो सकल विश्व का स्वामी है,ये उसकी वाणी है गीता।

जो सबके सिर का मौर बना,ये उसकी वाणी है गीता। सागर सिंह भारती रचना ने मधुर कंठ के साथ स्वर, लय, ताल से भोले की कॉवड पर ऐसा पाठ किया कि मन मयूर श्रद्धा भाव से नृत्य कर उठा। हट चल छोड़ जरा रस्ता मेरा, कॉवड मै भोले की लेने चला।

कवि जय भगवान गोयल ने पिताजी को समर्पित रचना ने सभी कवियों को भावुकता में डुबो दिया। पिताजी मेरे पूजनीय, पिता मेरे अभिमान। पिता से पाई है मैंने, दुनिया में पहचान।

गोष्ठी से पूर्व सुंदर कांड के पाठ में आये सभी धर्म प्रेमियों ने भक्तिभाव से सामूहिक पाठ कर पुण्य अर्जित किया। अंत में आयोजक प्रदीप भारद्वाज ने उत्कृष्ट रचनाओं से कवि गोष्ठी को अलंकृत करने वाले सभी रचनाकारों व सुन्दरकांड में आये सभी धर्म प्रेमियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

स्नैचिंग गैंग पर मसूरी पुलिस का शिकंजा, तीन गिरफ्तार

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। मसूरी थाना पुलिस ने स्नैचिंग की घटनाओं को अंजाम देने वाले गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो अवैध तमंचे, तीन जिंदा कारतूस, एक मोबाइल फोन और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस के मुताबिक, 1 सितंबर को थाना क्षेत्र में चेकिंग के दौरान सूबे पुत्र रामेश्वर, निवासी बड़का आरिफपुर, मसूरी, विशाल पुत्र पदम सिंह, निवासी जलालपुर रोड गली नंबर-11, मुरादनगर और आकाश पुत्र सुंदर, निवासी मेन बाजार चामुंडा, मुरादनगर को गिरफ्तार किया गया। तलाशी में 315 बोर का एक तमंचा व एक कारतूस तथा 12 बोर का एक तमंचा व दो कारतूस मिले। बरामद मोबाइल के संबंध में मसूरी थाने में धारा 304(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज था। पुलिस ने धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोतरी की है। हथियार बरामदगी पर आर्म्स एक्ट की धारा 3/25 में भी मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

यूनानी अस्पताल के शिलापट पर सियासी बवाल, भाजपा विधायक ने जताई कड़ी आपत्ति

कपिल चौहान

विधायक नंदकिशोर गुर्जर

नसीम अहमद प्रभारी यूनानी अस्पताल

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। कमला नेहरू नगर स्थित करीब 350 करोड़ रुपये की लागत से बने यूनानी अस्पताल में उद्घाटन शिलापट हटाए जाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। आयुष मंत्रालय के अधीन अस्पताल का उद्घाटन 11 दिसंबर 2022 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से किया था। करीब साढ़े तीन साल बाद शिलापट हटाए जाने का मामला सामने आने से राजनीतिक हलचल तेज हो गई।

लोनी से भाजपा विधायक नंद किशोर गुर्जर अस्पताल पहुंचे और प्रधानमंत्री के नाम की पट्टिका हटाए जाने पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने इसे गंभीर मामला बताते हुए पुलिस आयुक्त और जिलाधिकारी से बातचीत कर कार्रवाई कराने की बात कही। विधायक ने मामले को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी भी की। मामले की शिकायत अमित नामक व्यक्ति ने आयुष मंत्रालय और पुलिस आयुक्त से की थी। शिकायत के बाद स्थानीय पुलिस अस्पताल पहुंची और मुख्य द्वार से हटाया गया शिलापट एक कार्यालय से बरामद कर लिया। अस्पताल प्रशासन ने मामले की जांच कराने की बात कही है। विवाद बढ़ने के बाद प्रशासन अब शिलापट को जल्द दोबारा स्थापित कराने की तैयारी में है।

किसानों की जमीन की ऑडिट और मॉनिटरिंग की मांग, डीएम को सौंपा ज्ञापन

भारतीय किसान यूनियन अमर टिकैत के जिला अध्यक्ष ने अधिसूचना के तहत जमीन की जांच कराने और किसानों के हितों की निगरानी सुनिश्चित करने की उठाई मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। भारतीय किसान यूनियन अमर टिकैत के राष्ट्र्य अध्यक्ष श्री एफ एच चौधरी के निर्देश पर श्री योगेश शर्मा जिलाध्यक्ष गाजियाबाद की अध्यक्षता में महामहिम राज्यपाल उ०प्र० सरकार द्वारा जारी अधिसुचना का उल्लंघन करने व उसके विपरीत भू-उपयोग बदलने पर साइट 4, औ० क्षेत्र साहिबाबाद के किसानो की 1682 एकड अर्जन भूमि का ओडिट, मोनिटरिंग व अधिसुचना के तहत जांच कराने के संबंध में जिलाधिकारी गाजियाबाद को ज्ञापन सोपा गया श्री हाजी आरिफ अध्यक्ष पश्चिम उत्तर प्रदेश, ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र साहिबाबाद साइट-4, की स्थापना एंव सुनियोजित औधोगिक विकास के लिए यूपीएसआइडीसी, कानपुर द्वारा ग्राम महाराजपुर, साहिबाबाद, झंण्डापुर, भौवापुर, मकनपुर, कडकड मॉडल, एंव प्रहलादगढी, गाजियाबाद उ०प्र० के 7 गॉवों की 1682 एकड कृषि भूमि का अर्जन No Profit No Loss के आधार पर जिलाधिकारी गा०बाद के माध्यम से किया था।

परंतु किसानों के मौलिक अधिकारों का हनन करते हुए यूपीएसआइडीसी अधिकारियों ने अधिसूचना का उल्लंघन कर उसके विपरीत भूमि का उपयोग करना आरम्भ कर दिया और औद्योगिक भूखंण्डो का व्यवसायिक गतिविधि के लिये भू-उपयोग परिवर्तन, भूखंण्ड उप-विभाजित, तथा सबलेटिंग जैसी नीतियों का उपयोग कर जमीन को उँची दरों पर बेचकर मुनाफा कमा रहे है। जिसकी शिकायत बार बार की गई परंतु 7 गाँवों के किसानों की 1682 एकड भूमि पर जारी अधिसूचना के सापेक्ष मे कोई समीक्षा आज तक नही की गई है और न इस संबंध मे कोई रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है।

इसी के क्रम में बात को आगे बड़ाते हुए श्री महेंद्र गौतम प्रदेश अध्यक्ष दलित समाज ने कहा की वर्ष, 1967, 1969, 1973, और 1974 के मध्य तक जिलाधिकारी, के माध्यम से किसानों की कृषि भूमि का अधिग्रहण किया था अर्जन के समय भूखंण्ड उपविभाजित, भू-उपयोग परिवर्तन, सबलेटिंग जैसी नीति नही थी तब निगम ने बोर्ड मीटिंग एंव बोर्ड सदस्यों का अनुमोदन प्राप्त किये बिना यूपीएसआइडीसी द्वारा बनाई गई सबडिविजन, भू-उपयोग परिवर्तन, सबलेटिंग नीति किस कानून से प्रभावी की जिसमे साईट-4, साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र के भूखंण्ड संख्या- 16/2-ए बराईट पेंटस प्रा०लि०, भूखंण्ड संख्या-17, युनिवर्सल ग्लास, भूखंण्ड संख्या-ए-42/1, बी०पी०एल०, व भूखंण्ड संख्या- ए-42, ए-41, बी-43, 60/2, 65/1 का सबडिविजन, और भूखंण्ड सं0 41/8 का भू-उपयोग परिवर्तन आदि शामिल है इस मामले मे एस०आइ०टी जॉच भी हुई परंतु संतोषजनक कार्यवाही नही हो सकी।

श्री तालिब खान उत्तर प्रदेश मंत्री ने बताया कि यूपीएसआइडीसी के स्थान पर उ०प्र०रा०औ० विकास प्राधिकरण (UPSIDA) का गठन किया गया है जिसका सरकारी गजट उ०प्र० सरकार औ० विकास अनुभाग-4, अनुसार बोर्ड सदस्यो की पूर्ण रुप से अनुमति प्राप्त न किया जाना व भूखंण्डो का

उपविभाजन, भू-उपयोग परिवर्तन, सबलेटिंग करने के लिये मास्टर प्लान वर्ष 1976 मे संशोधन किये बिना और एन०सी०आर० प्लानिंग बोर्ड की अनुमति के बिना औद्योगिक भूखंण्डो का सबडिविजन, भू-उपयोग परिवर्तन, सबलेटिंग करके मोटा मुनाफा अर्जित किया जा रहा है जों भ्रष्टाचार की परिकाष्टा में है जिसको तत्काल प्रभाव से रोकने के लिए साहिबाबाद साइट-4 औ०क्षे० के लिए अर्जन की गई भूमि का ओडिट/मॉनीटरिंग किया जाना जनहित में है।

इस लिए सबडिविजन, भू-उपयोग परिवर्तन, सबलेटिंग पालिसी को व पूर्व मे जारी विज्ञप्ति को रदद किया जाये और पुनः व्यवसायिक विज्ञप्ति जारी कर किसानो को आज की दर का प्रतिकर मुहैया किया जायें।

श्री योगेश शर्मा जिलाद्यक्ष ने कहा कि लीज डीड की शर्त के 3 (टी) के मुताबिक भूमि अर्जन का विषय किसानो के हक में चिंताजनक रहा है यहाँ भूमि अधिग्रहण के मामलों मे परियोजना से प्रभावित किसान परिवारों के पुर्नस्थापना एंव पुर्नवास के संबंध में भारत सरकार द्वाँरा घोषित राष्ट्रीय पुर्नस्थापन एंव पुर्नवास नीति 2003 एन0पी0आर0आर0, 2003 को राज्य सरकार द्वारा राजस्व अनुभाग-13 के शासनादेश सं0 1321/1-13-2004-20(29)/2004-10-13, दिनांक 10.08.2004 से लागू की गई है। जबकि लीजडीड की शर्त (T) मे अपनी इंडस्ट्री के लिए स्किल्ड या अनस्किल्ड लेबर को काम पर रखने के लिए, लेसी को उन परिवारों से एक या दो काबिल लोगो को रखना होगा जिनकी जमीनें उस इंडस्ट्रियल एरिया/एस्टेट का हिस्सा रही है। या लेसर को सरकार द्वारा बनाए गए / मौजूदा NPRR कानून का पालन करना होगा। NPRR कानून के तहत प्रभावित किसानो को भूखंण्ड मुहैया नही किया गया व उनके परिवारों के दो काबिल लोगो को नौकरी भी नही दी गई है। ज्ञापन में उपस्थित केशव चौधरी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष , अलीम चौधरी, जावेद चौधरी महानगर अध्यक्ष , अब्दुल्ला लोनी तहसील अध्यक्ष, गौरव सैन लोनी विधान सभा अध्यक्ष, शीशपाल प्रभारी वार्ड 41, इमरान खान अध्यक्ष वार्ड 41, महमूद अली जिला उपाध्यक्ष युवा गाज़ियाबाद, वसीम चौधरी प्रदेश अध्यक्ष युवा,साहिर खान, राहुल खान जफर साहब, भारी संखिया में आदि पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

हिन्दी भवन में आयोजित कार्यक्रम में 77 निर्माण श्रमिकों को 21.07 लाख रुपये के हितलाभ वितरित

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। लोहियानगर स्थित हिन्दी भवन में बुधवार को एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान लखनऊ स्थित लोक भवन से प्रसारित मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण (लाइव टेलीकास्ट) कराया गया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम के लोगो का अनावरण, वेबसाइट एवं पोर्टल का शुभारम्भ तथा आउटसोर्स कर्मियों के बढ़े हुए पारिश्रमिक की घोषणा की गई।

इसी क्रम में श्रम विभाग द्वारा संचालित भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की विभिन्न हितलाभ योजनाओं के अंतर्गत पात्र निर्माण श्रमिकों को चेक वितरित किए गए। कार्यक्रम में जनपद के कुल 77 लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं के तहत कुल 21,07,500 रुपये की धनराशि का चेक वितरण कर लाभान्वित किया गया।

योजनावार लाभार्थियों की बात करें तो निर्माण कामगार मृत्यु/दिव्यांगता सहायता योजना के अंतर्गत 7 लाभार्थियों को कुल 14,00,000 रुपये, मातृत्व शिशु एवं बालिका मदद योजना के अंतर्गत 5 लाभार्थियों को 1,40,000 रुपये, कन्या विवाह सहायता योजना के अंतर्गत 4 लाभार्थियों को 2,60,000 रुपये तथा संत रविदास शिक्षा प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत 61 लाभार्थियों को 3,07,500 रुपये की धनराशि प्रदान की गई। इस प्रकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से 77 निर्माण श्रमिकों एवं उनके परिवारों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम का उद्देश्य पात्र निर्माण श्रमिकों को शासन द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना तथा उनके सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देना।

जिला उद्योग व्यापार मंडल गाजियाबाद ने वाणिज्य कर की समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। आज जिला उद्योग व्यापार मंडल गाजियाबाद के प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश के व्यापारियों को वाणिज्य कर (जीएसटी एवं राज्य कर) से जुड़ी व्यावहारिक समस्याओं से राहत दिलाने के लिए माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित एक ज्ञापन सौंपा।

यह ज्ञापन अपर आयुक्त (राज्य कर) आईएएस अजय कुमार गौतम एवं सिटी मजिस्ट्रेट सतीश चंद्र मिश्र के माध्यम से प्रशासनिक अधिकारियों को प्रदान किया गया। यह ज्ञापन पूर्व राज्य मंत्री व जिलाध्यक्ष श्री राम किशोर अग्रवाल, महानगर अध्यक्ष गोपीचंद प्रधान जी, जिला महामंत्री पंकज गर्ग, युवा प्रदेश महामंत्री राजदेव त्यागी विधानसभा अध्यक्ष गाजियाबाद सुनील गोयल, जिला कोषाध्यक्ष अमित गर्ग, मुरादनगर कोषाध्यक्ष हरिओम सिंघल, युवा जिलाध्यक्ष धनेश सिंघल के संयुक्त नेतृत्व में सौंपा गया।

ज्ञापन में व्यापारियों ने वाणिज्य कर प्रणाली से संबंधित विभिन्न जटिलताओं, नोटिसों एवं प्रशासनिक कठिनाइयों की ओर मुख्यमंत्री का ध्यान आकर्षित किया। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि व्यापारिक वातावरण को सुगम बनाने और व्यापारियों का उत्पीड़न रोकने के लिए वाणिज्य कर नियमों का सरलीकरण किया जाए तथा संबंधित समस्याओं का त्वरित निस्तारण किया जाए।

अपर आयुक्त (राज्य कर) अजय कुमार गौतम एवं सिटी मजिस्ट्रेट सतीश चंद्र मिश्र ने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं व मांगों को माननीय मुख्यमंत्री जी तक शीघ्रता से पहुंचा दिया जाएगा और नियमानुसार आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। इस अवसर पर संगठन के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी एवं प्रमुख व्यापारीगण भी उपस्थित रहे।

सुन्दर शहर गाजियाबाद की हकीकत

सुशील कुमार शर्मा

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। महानगर गाजियाबाद की मेयर व मुख्य नगर अधिकारी ध्यान दें यह हालात महेन्द्रा एनक्लेव , शास्त्री नगर की बी व सी ब्लाक की गलियों (अमरीष नमकीन के बराबर) की है। जहां पहले नालीयां बनाकर सड़क तोड दी गयी। फिर कई माह बाद अब भराव के लिए मलबा डाल दिया गया है। प्रशासन द्वारा एक ओर बारीश की चेतावनी दी जा रही है। ऐसी स्थिति में सुबह बच्चे किस तरह स्कूल जाते होंगे और महिलायें व वृद्ध किस स्थिति में घर से निकल पाते होंगे इसकी किसी को चिन्ता नहीं है। नगर निगम की शर्मनाक स्थिति यह भी है कि मुख्य बाजार की इस गली में दिन छिपने के बाद अंधेरे में अन्दर जाना पडता है क्योंकि गली के शुरू में स्ट्रीट लाइट नही है। नगर निगम के इस क्षेत्र के सफाई कर्मी भी कई माह से नदारत है।

जाम पर 'एक्शन प्लान', शराबी वाहन चालकों की अब खैर नहीं; हर शुक्रवार-शनिवार चलेगा विशेष अभियान

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। शहर की बिगड़ती यातायात व्यवस्था और सड़क हादसों पर अंकुश लगाने के लिए यातायात पुलिस ने कमर कस ली है। पुलिस आयुक्त की अध्यक्षता में बुधवार को यातायात अधिकारियों की बैठक में जाम से राहत और सड़क सुरक्षा को लेकर कई अहम फैसले लिए गए।

तय किया गया कि प्रत्येक शुक्रवार और शनिवार शाम विशेष ड्रंक एंड ड्राइव अभियान चलाकर शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रमुख चौराहों पर पीए सिस्टम और सीसीटीवी के माध्यम से वाहन चालकों को जैब्रा लाइन के पीछे वाहन रोकने के लिए जागरूक किया जाएगा।

आईटीएमएस के जरिए बिना हेलमेट, ट्रिपल राइडिंग और रेड लाइट उल्लंघन के 1,26,105 चालान किए जा चुके हैं। जाम लगने पर तत्काल यातायात सुचारु कराने के लिए प्रत्येक सबजोन में इमरजेंसी रिस्पांस व्हीकल तैनात होगा। आठ सबजोन में यातायात कार्यालयों का निर्माण पूरा हो चुका है। वहीं, प्रमुख मार्गों पर जाम की स्थिति की जानकारी @Gzbtrafficpol के माध्यम से सोशल मीडिया पर नियमित अपडेट की जाएगी।

'मिशन सहयोग' ने लौटाई मुस्कान: 101 गुम मोबाइल बरामद, मालिकों को सौंपे

कपिल चौहान

गौतमबुद्धनगर(वेलकम इंडिया)। पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर श्रीमती लक्ष्मी सिंह के निर्देशन एवं पुलिस उपायुक्त सेंट्रल नोएडा श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह के नेतृत्व में चलाए जा रहे 'मिशन सहयोग' के तहत सेंट्रल नोएडा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। सर्विलांस सेल ने तकनीकी विश्लेषण और CEIR पोर्टल की सहायता से विभिन्न कंपनियों के गुम हुए 101 कीमती स्मार्टफोन बरामद किए हैं। बरामद मोबाइल फोनों की अनुमानित कीमत करीब 35 लाख रुपये बताई गई है।

पुलिस के अनुसार, अधिकांश मोबाइल भीड़भाड़ वाले स्थानों, बाजारों, ऑटो व बसों में सफर के दौरान तथा सुबह-शाम टहलते समय गिरने या छूटने के कारण गुम हुए थे। इनकी गुमशुदगी सेंट्रल नोएडा जोन के विभिन्न थानों में दर्ज कराई गई थी। सर्विलांस सेल ने तकनीकी माध्यमों से मोबाइल फोन की लोकेशन और उपयोग संबंधी जानकारी का विश्लेषण कर उन्हें बरामद किया।

बुधवार को सभी 101 मोबाइल फोन उनके वास्तविक स्वामियों को सुपुर्द किए गए। मोबाइल वापस मिलने पर लोगों ने गौतमबुद्धनगर पुलिस का आभार जताते हुए पुलिस की कार्यशैली की सराहना की।

गाजियाबाद में चाय गोदाम पर खाद्य विभाग की कार्रवाई, 18.60 क्विंटल अमर लीफ टी सील

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। जिलाधिकारी श्री रवींद्र कुमार मांदड़ के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने साहिबाबाद इंडस्ट्रियल एरिया स्थित मेसर्स अमर टी प्राइवेट लिमिटेड के गोदाम पर कार्रवाई करते हुए बड़ी मात्रा में चाय जब्त की है। विभागीय जांच में पूर्व में लिए गए चाय के नमूनों में आयरन फिलिंग की मिलावट पाए जाने के बाद यह कार्रवाई की गई।

जानकारी के अनुसार, 3 जून 2026 को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने अ-16/29, साइट-IV, साहिबाबाद इंडस्ट्रियल एरिया स्थित मेसर्स अमर टी प्राइवेट लिमिटेड के गोदाम का निरीक्षण किया था। इस दौरान अमर ब्रांड इलायची चाय और सोसायटी चाहत ब्रांड चाय समेत कुल 2,218 किलोग्राम चाय, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 6 लाख रुपये थी, जब्त की गई थी। परिसर से मसाला चाय, इलायची चाय, अमर पत्ती चाय सहित अन्य उत्पादों के नमूने भी जांच के लिए लिए गए थे। खाद्य विश्लेषक, उत्तर प्रदेश की जांच रिपोर्ट में अमर लीफ टी और मसाला चाय के नमूनों में आयरन फिलिंग की मिलावट पाए जाने की पुष्टि हुई। जांच के बाद इन नमूनों को असुरक्षित घोषित किया गया। इसी क्रम में 2 सितंबर 2026 को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने उक्त खाद्य कारोबार परिसर का दोबारा निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 23 तथा खाद्य सुरक्षा एवं मानक (लेबलिंग और डिस्प्ले) विनियम, 2020 के उल्लंघन के मामले में 1,860 किलोग्राम अमर लीफ टी, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 4.65 लाख रुपये है, को जब्त कर विधिवत सील कर दिया गया। विभाग ने जब्त चाय को खाद्य कारोबारी श्री अनिल कुमार शर्मा की अभिरक्षा में सील बंद करते हुए निर्देश दिया कि सील के साथ किसी प्रकार की छेड़छाड़ न की जाए और अगले आदेश तक जब्त उत्पाद का किसी भी प्रकार से व्ययन या निस्तारण न किया जाए। अमर लीफ टी के तीन नए नमूने भी जांच के लिए लिए गए हैं। वहीं, विभागीय निरीक्षण में यह भी सामने आया कि 3 जून को जब्त कर कारोबारी की अभिरक्षा में रखी गई अमर लीफ टी एवं सोसायटी चाहत ब्रांड चाय की कुल 2,218 किलोग्राम मात्रा को खाद्य कारोबारी द्वारा कथित रूप से अवैध तरीके से विक्रय कर दिया गया। इस मामले में विभाग द्वारा विधिक कार्रवाई प्रस्तावित की जा रही है। खाद्य सुरक्षा विभाग की इस कार्रवाई से खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वाले कारोबारियों में हड़कंप मचा हुआ है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

डीएमई डकैतीकांड में चार और बदमाश गिरफ्तार

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। वेव सिटी पुलिस ने 21 अगस्त की रात मेरठ के उद्यमी गिलमान से दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर हुई 24.85 लाख रुपये की डकैती के मामले में फरार चल रहे चार और बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस ने उनके कब्जे से दो लाख तीन हजार 540 रुपये बरामद किए हैं।

NAME CHANGE

I, LAKSHYA TYAGI, S/o Sh. Prabhakar Tyagi, R/o 312 E/2, Sector 9, Raj Nagar, Ghaziabad, U.P., declare that my name is recorded as LAKSHYA TYAGI in my Aadhaar Card, while it is mentioned differently in my Passport. Both names belong to one and the same person, i.e., myself. Henceforth, LAKSHYA TYAGI shall be treated as my correct name for all purposes.

आठ घंटे में सुलझा वर्षों पुराना कब्जे का विवाद, डीएम की त्वरित कार्रवाई से परिवार को मिला न्याय

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ ने जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनकर अधिकारियों को उनके त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। इसी दौरान रामपुर निवासी दिनेश कुमार जैन और उनकी पत्नी विनीता जैन ने पुत्री के अटोर स्थित प्लाट पर वर्षों से अवैध कब्जे की शिकायत की। डीएम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम, तहसीलदार और एसएचओ की संयुक्त टीम गठित कर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। जैन के मुताबिक, डीएम के निर्देश के बाद अधिकारियों ने महज आठ घंटे में मामले का निस्तारण करा दिया। प्लाट के बदले उसकी वर्तमान कीमत के बराबर चेक उन्हें प्राप्त हुआ। जैन ने कहा कि बिना कोई पैसा खर्च किए वर्षों पुरानी समस्या का इतनी जल्दी समाधान होना उनके लिए किसी चमत्कार से कम नहीं है। उन्होंने डीएम की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि उनके जैसा संवेदनशील, न्यायप्रिय और कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी हर जनपद और विभाग में होना चाहिए। जनसुनवाई में एडीएम, सिटी मजिस्ट्रेट समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

'लव जिहाद' के आरोप में युवक की बेरहमी से पिटाई, वीडियो वायरल; दो हिरासत में

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। खोड़ा थाना क्षेत्र में एक युवक की कथित तौर पर 'लव जिहाद' के आरोप में पिटाई किए जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया है। पुलिस ने वीडियो में दिखाई दे रहे दो युवकों कृष्णा ठाकुर और ऋषि को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

वायरल वीडियो में कुछ युवक एक युवक के साथ मारपीट करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में आरोपित युवक के बाल पकड़कर पीटते और कमरे में बिस्तर पर लिटाकर डंडों से मारते दिखाई दे रहे हैं। आरोप है कि मारपीट के दौरान पीड़ित युवक पर 'लव जिहाद' से जुड़े आरोप लगाए जा रहे थे। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार, हिरासत में लिए गए दोनों युवकों से घटना के संबंध में पूछताछ की जा रही है। पुलिस वायरल वीडियो की सत्यता, घटना की परिस्थितियों और मारपीट में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

लापता

नाम : संजय भाटिया
उम्र : 47 वर्ष
कद : 5.10 फूट

लापता दिनांक 28/06/2023
नीली कलर की टी-शर्ट पहनी हुई हैं और सुबह 09:00 बजे से गायब है।
सूचना देने वाले को इनाम दिया जायेगा
Mob. : 8800667961
Add. : M-176, MP Nagar, Shastri Nagar, Ghaziabad